दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

धुरंधर 2 का दुनियाभर में भौकाल, ...8

बलरामपुर
गुरुवार , 26 मार्च 2026
वर्ष: 05 अंक : 173 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

पाकिस्तान जैसा दलाल देश नहीं भारत

ईरान मध्यस्थता पर जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली। भारत ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध में मध्‍

यस्थता करने की पाकिस्तान की कोशिश पर निशाना साधा है।

सूत्रों के मुताबिक, आज दिल्ली में हुई एक सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को एक श्दलाल राष्ट्रश कहकर उसकी निंदा की। श्पाकिस्तान की तरह बिचौलिया नहीं भारतश

मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध में पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान का गुप्तचर बना हुआ है। अमेरिका के हर संदेश को पाकिस्तान, ईरान तक पहुंचा रहा है। भारत के विदेश मंत्री ने इसे ही लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद एक सदस्य ने बताया कि विदेश मंत्री ने कहा, श्भारत पाकिस्तान की तरह बिचौलिये की भूमिका नहीं निभाएगा।श

ईरान ने ठुकराया पाकिस्तान का प्रस्ताव

अमेरिका की तरफ से पाकिस्तान और तुर्किए दोनों ही ईरान के सामने प्रस्ताव रखा कि मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध को रोकने के लिए शांति वार्ता पाकिस्तान या तुर्किए में हो सकती है।

समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तान और तुर्किए के अमेरिका की तरफ से भेजे प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ईरान ने अमेरिका के सामने पांच शर्तें भी रखी हैं, जिनमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान को पूर्ण अधिकार मिलने की बात कही गई है।

कभी–कभी ऐसा लगता है कि कानून एक जाल है, कुछ लोग जब चाहे किसी को फंसा देते हैं': स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी। नाबालिगों से यौन शोषण के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है, जिसके बाद

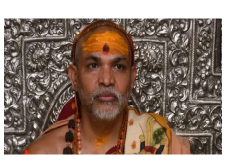

वाराणसी स्थित श्रीविद्या मठ में बुध्‍ावार की शाम एक सुकून भरी स्थिति देखी गई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अदालत के फैसले के बाद कहा कि वह सिद्धांत की बात करेंगे कि कानून एक जाल है, जिसे कुछ लोगों ने पकड़ रखा है और जब चाहें किसी को फंसा दें। हालांकि, न्याय मिलने पर यह ढांढस बंधता है कि जाल की तरह प्रयोग करने वाले लोग हमेशा सफल नहीं होते।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों के मन में न्याय और प्रक्रिया की भावना फलीभूत होती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ झूंसी थाने में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह एफआईआर आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) के आदेश के क्रम में लिखी गई थी। झूंसी पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के बाद पूछताछ की है और पीड़ितों के बयान तथा मेडिकल जांच भी कराई जा चुकी है। आरोप है कि माघ मेला और महाकुंभ के दौरान नाबालिगों के साथ कुकर्म किया गया। कोर्ट ने शिकायतकर्ता और आवेदक को निर्देश दिया है कि वे प्रकरण के बाबत मीडिया में इंटरव्यू न दें। यदि शर्तों का उल्लंघन होता है, तो जमानत निरस्त करने की अर्जी दी जा सकती है।

गुजरात में यूसीसी विधेयक पास

अमित शाह बोलेः तुष्टीकरण नहीं, समान अधिकार हमारा संकल्प है

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित किए जाने की सराहना करते हुए इसे भारत के सभी नागरिकों के लिए समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। 31 जनवरी, 2026 को शाह ने ग पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून के प्रति भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। शाह ने कहा कि भाजपा की स्थापना से ही यह संकल्प रहा है कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून हो। मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता

(यूसीसी) विधेयक पारित करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और इस प्रकार अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश का संचालन तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर होना चाहिए दृ यही हमारी प्राथमिकता और हमारा संकल्प है। इससे पहले, भूपेंद्र पटेल ने विधेयक पारित होने पर राज्य विधानसभा के सभी सदस्यों और गुजरात के नागरिकों को भी बध्‍ााई दी। एक ट्वीट में उन्होंने इस घटना को गुजरात और राष्ट्र दोनों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। इस विधेयक के पारित होने के साथ ही गुजरात, ध्‍ार्म या समुदाय की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों को नियंत्रित करने वाला एक समान कानूनी ढांचा लागू करने वाला दूसरा भारतीय राज्य बन गया है। पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने से राज्य में सभी धर्मों और समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे मामलों में एक समान कानूनी ढांचा स्थापित होगा।

राम नवमी पर सीएम योगी का महत्वपूर्ण निर्णय

यूपी में अब 26 और 27 मार्च को रहेगा अवकाश

लखनऊ। जनभावना का

सम्मान करते हुए योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 27 मार्च को एक अतिरिक्त अवकाश घोषित किया है, जिससे रामनवमी की छुट्टी लगातार दो दिनों तक बढ़ गई है। 26 मार्च पहले से ही रामनवमी के लिए निर्धारित अवकाश था, और अब 27 मार्च भी अवकाश रहेगा। यह निर्णय त्योहार के दौरान मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस विस्तार को मंजूरी देते हुए धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस कदम के साथ, राज्य में 26 और 27 मार्च को लगातार अवकाश रहेगा, जिससे रामनवमी समारोह में भाग लेने वाले लोगों को राहत और बेहतर व्यवस्था मिलेगी। वहीं, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से रामनवमी पर भगवान श्रीराम को अर्पण करने के लिए प्रसाद सोमवार सुबह अयोध्‍या भेजा गया।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि 11 मन (440 किलोग्राम) धनिया की पंजीरी, सवा मन (50 किलोग्राम) लड्डू तथा वस्त्र, फल आदि साम्रगी एक सजे–धजे वाहन में अयोध्या भेजी गई और इस दौरान भजन–कीर्तन में संस्थान के सदस्यों एवं भक्तजन ने भाग लिया।

पंचर साइकिल नहीं कर पाएगी बुलेट ट्रेन की स्पीड वाली सरकार का मुकाबलाः सीएम योगी

'गोरखपुर।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी पर हमलावर होते हुए कहा कि वर्तमान सरकार बुलेट ट्रेन की स्पीड से चलने वाली है। पंचर साइकिल इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। आज डबल इंजन की सरकार है।

जब हम डबल स्पीड से चलेंगे तो साइकिल का पंचर तो पंचर ही रहेगा। वह हमेशा के लिए ध्‍ाराशायी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता को उसके हक के लिए तरसाने वालों को आज प्रदेश की जनता ने ही सत्ता के लिए तरसा दिया है। सीएम योगी बुधवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 'उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के 9 वर्ष' विषयक इस कार्यक्रम का आयोजन योगी सरकार के नौ वर्षों के सतत विकासपरक कार्यकाल के उपलक्ष्य में किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह पहली सरकार है जिसने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल को पूरा करने के बाद, सफलतापूर्वक दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर धमाकेदार विजय प्राप्त की है। यह तब हुआ जब कार्यकर्ताओं ने जमीनी धरातल पर कार्य किया । मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोरखपुर और उत्तर प्रदेश के नाम पर देश में कोई पूछता नही था। अगर आपने बता दिया तो सामने वाला व्यक्ति पांच कदम पीछे हो जाता था। उन्होंने सवाल उठाया, कौन लोग थे जो पहचान का संकट खड़ा कर रहे थे? कौन लोग थे जिन्होंने आपकी पीढ़ी को विकास से वंचित रखा था? कौन लोग थे जिनकी संवेदना इंसेफेलाइटिस से तड़प रहे मासूमों पर नहीं पिघलती थी। उन्होंने कहा कि यह वही राज्य है जहां पहले बिजली नहीं मिलती थी। आज भरपूर मिल रही है। यहां के लोग आप एम्स के लिए संघर्ष कर रहे थे, आज एम्स बन गया। डबल इंजन की सरकार ने पीएम मोदी के नेतृत्व में इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। **'जिसको जो प्यारा होता है, वह वही करता है'**: सीएम योगी ने कहा कि जिस अयोध्या में जाने पर पुलिस की लाठियां–गोलियां मिलती थीं, सरकार की प्रताड़ना मिलती थी, दुर्व्यवस्था मिलती थी, आज वह अयोध्या दुनिया की सुंदरतम नगरियों में से एक नगरी बन गई है।

राहुल की संसद से गैरहाजिरी पर फिर मचा बवाल

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया संघर्ष पर होने वाली सर्वदलीय बैठक से पहले संसद में राहुल गांधी की अनुपस्थिति की आलोचना की। पाल ने सदन की कार्यवाही में गांधी की अनियमित उपस्थिति पर सवाल उठाते हुए विपक्ष के नेता की भूमिका के लिए उनकी उपयुक्तता पर प्रश्नचिह्न लगाया। एएनआई से बात करते हुए पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है, लेकिन उससे पहले कल राज्यसभा में उन्होंने पश्चिम एशिया के संकट पर बयान दिया था, और उससे एक दिन पहले लोकसभा में भी बयान दिया था, लेकिन दुर्भाग्य से वह (राहुल गांधी) आज की सर्वदलीय बैठक में उपस्थित नहीं हैं।

असम चुनाव से पहले गोगोई का बड़ा आरोप

बीजेपी की हाई कमान चलाती है कठपुतली सरकार

गुवाहाटी । असम कांग्रेस अध्‍यक्ष गौरव गोगोई ने 25 मार्च को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए उस पर मुख्यमंत्री के पद का सम्मान न करने और दिल्ली से दूरस्थ रूप से राज्य सरकारों को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। गोगोई ने याद दिलाया कि पांच साल पहले ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) से जुड़े आदिवासी नेता सरबानंदा सोनोवाल को भाजपा को जीत दिलाने के बाद मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। गोगोई ने कहा कि पांच साल पहले भाजपा में मुख्यमंत्री सरबानंदा सोनोवाल थे, जो एएएसयू से जुड़े एक आदिवासी

नेता थे। और उनके साथ क्या हुआ? उन्होंने चुनाव जीता, सरकार बनाई और फिर उन्हें हटा दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री सिर्फ इसलिए बने क्योंकि उनका नाम पर्ची पर लिखा था। उन्होंने भाजपा पर नेतृत्व की भूमिकाओं को लेकर कुर्सी की खेल शैली अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री पद का उचित सम्मान नहीं करती। आगामी चुनावों में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर गोगोई ने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनाना और असम की जनता में व्याप्त भय को दूर करना है। इसके अलावा, मेरी कोई व्यक्तिगत अपेक्षा नहीं हैय यह पद पहले भी मेरा था और आज भी मेरा है। उन्होंने जनता के बदलाव के प्रति उत्साह को रेखांकित करते हुए कहा कि लोगों में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि वे देख सकते हैं कि उन्हें दस साल की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का एक ऐतिहासिक अवसर मिल रहा है।

विदेश नीति सिर्फ पीएम तय करते हैं

राम गोपाल यादव ने ट्रम्प संग बातचीत पर मांगा संसद में जवाब

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की द्वारा जारी मध्यस्थता प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई अपनी बातचीत का विवरण संसद को उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। 25 मार्च को नई दिल्ली में बोलते हुए यादव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विदेश नीति पूरी तरह से प्रधानमंत्री द्वारा निध्‍ाारित की जाती है और उन्होंने संकट में भारत की मध्यस्थता भूमिका के अभाव की आलोचना की।

राम गोपाल यादव ने कहा कि देश की विदेश नीति पूरी तरह से नेतृत्व यानी भारत के प्रधानमंत्री द्वारा तय की जाती है। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थता कर रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री को मध्यस्थता करनी चाहिए थी, क्योंकि हमारा देश सबसे बड़ा लोकतंत्र है। प्रध्‍ाानमंत्री को संसद को बताना चाहिए कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से क्या बात की। पश्चिम एशिया संघर्ष पर सर्वदलीय बैठक के लिए सरकार के आह्वान के संबंध में, यादव ने समाजवादी पार्टी की भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव बैठक में शामिल होंगे। यादव ने गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन की भी आलोचना करते हुए कहा कि सत्ताधारी दल जहां भी सत्ता में आते हैं, वहां जनहित के विरुद्ध कानून लागू करने की प्रवृत्ति रखते हैं।

एलपीजी सिलेंडर पर आप का हल्लाबोल

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों के विरोध में 25 मार्च को दिल्ली विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है और देश की जनता इसके परिणाम भुगत रही है। उन्होंने भाजपा पर चुनाव वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया था। अब समझ में आता है कि उनकी योजना क्या थीरू सिलेंडरों को पूरी तरह से गायब कर देना ताकि सब कुछ मुफ्त हो जाए।

गुरुग्राम रेप केसः पॉक्सो एक्ट से अनजान थी पुलिस?

सुप्रीम कोर्ट ने महिला आईपीएस को सौंपी जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चार साल की बच्ची से जुड़े बलात्कार मामले में गुरुग्राम पुलिस के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लापरवाह और असंवेदनशील जांच के कारण पीड़िता गहरे सदमे

में है। कोर्ट ने पाया कि पुलिस पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों से पूरी तरह अनभिज्ञ प्रतीत होती है और जांच में गंभीर कमियों को उजागर किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पुलिस और बाल कल्याण अधिकारियों के आचरण ने बच्ची की पीड़ा को और बढ़ा दिया है, साथ ही अपराध की गंभीरता को कम करने के प्रयासों पर भी ध्यान दिया। कोर्ट ने एक महिला आईपीएस अधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया और सभी रिकॉर्ड सौंपने का आदेश दिया, साथ ही पुलिस अधिकारियों और बाल कल्याण समिति के सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किए। यह मामला एक चार वर्षीय बच्ची से संबंधित है, जिसके साथ कथित तौर पर दो महीने पहले गुरुग्राम के सेक्टर 54 स्थित एक सोसाइटी में दो महिला घरेलू सहायिकाओं और उनके एक पुरुष साथी ने बलात्कार किया था। सुनवाई के दौरान, पीठ को बताया गया कि पुलिस ने शुरू में एफआईआर दर्ज की थी, लेकिन पॉक्सो के तहत गंभीर अपराध के संकेत मिलने के बावजूद अपराध को कम श्रेणी का कर दिया। अदालत ने गौर किया कि पुलिस और बाल कल्याण समिति के आचरण ने बच्चे की पीड़ा को और बढ़ा दिया, और सबूतों और परिवार के बयान को कमजोर करने के प्रयास किए गए।

ममता बनर्जी का बीजेपी पर बड़ा हमला

आजमतदान के अधिकार छीन रहे , कल एनआसी से छीनेंगे नागरिकता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उन पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के मैनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग ''मतदान के अधिकार छीन रहे हैं।'' उन्होंने चेतावनी दी कि अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करके नागरिकता छीनने

का प्रयास हो सकता है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से कुछ समुदायों को चुनाव प्रक्रियाओं से बाहर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''राजबंशियों के नाम एसआईआर के जरिए हटा दिए गए हैं। महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर एसआईआर की वजह से मौतें होती हैं, तो जिम्मेदारी कौन लेगा?'' तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैंय कल वे राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लाकर नागरिकता छीन लेंगे।''

एडीएम की अध्यक्षता में सैनिक बंन्धु की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। अपर जिलाधिकारी(वि/रा) जय प्रकाश की अध्यक्षता में सैनिक बंन्धु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में जनपद के लगभग 45 पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों ने अपनी समस्याओं को अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखा। हवलदार ऋषिकेश के अति विलंबित केस पर सुनवाई करते हुए अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दोषियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही की जाए एवं उप ज़िलाधिकारी खलीलाबाद इस पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। पूर्व सैनिक लक्ष्मण प्रसाद की भूमि को वन विभाग द्वारा अधिग्रहण के मामले में अपर जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को एक सप्ताह में आख्या उपलब्ध कराने को निर्देशित किया। इसी क्रम में शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए अपर ज़िलाधिकारी ने कहा कि इनका निस्तारण पूरी पारदर्शिता से किया जा रहा है एवं पत्राचार की प्रति पूर्व सैनिक एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को भी प्रदान की जा रही है । इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल राम प्रकाश मिश्रा ने प्रशासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों के सभी मुद्दों पर समस्त अधिकारी संवेदनशीलता से समाधान प्रदान करते हैं । इस अवसर पर अधिशासी अभियंता (विद्युत)खलीलाबाद, जिला सेवायोजन अधिकारी, उप प्रभागीय वनाधिकारी, इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह ,एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त, बस्ती की अध्यक्षता में पेंशन अदालत का आयोजन दिनांक 30 मार्च 2026 का

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवनलाल ने बताया है कि बस्ती मण्डल बस्ती के सेवानिवृत्त पेंशनरों की समस्याओं एवं उनके कार्यालयाध्यक्ष के यहाँ उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए मण्डलायुक्त, बस्ती की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में वित्तीय वर्ष 2025–26 की पेंशन अदालत का आयोजन दिनांक 30–03–2026 को अपरान्ह 04 बजे निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि बस्ती मण्डल के समस्त राजकीय कार्यालयों के सेवानिवृत्त समूह ख तक के राजपत्रित अधिकारियों तथा अन्य शासकीय सेवकों तथा मूल शासकीय सेवको के परिवारी जिन्हें अपने सेवानिवृत्तिक देयकों से संबन्धित समस्या हो वे अपना प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन बस्ती मण्डल, बस्ती कार्यालय से अथवा मण्डल के किसी भी कोषागार से प्राप्त कर दिनांक 28–03–2026 तक संयोजक पैशन अदालत/अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन, बस्ती मण्डल, बस्ती स्थान शास्त्री चौक, बस्ती के कार्यालय में जमा कर दें तथा प्रत्यावेदन की एक प्रति अपने स्तर से भी संबन्धित कार्यालयाध्यक्ष/ विभागाध्यक्ष को प्रेषित कर दें, जिससे उन प्रत्यावेदनों के सापेक्ष संबन्धित कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष से अनुपालन आख्या प्राप्त कर पेंशन अदालत में प्रस्तुत लंबित प्रकरणो/शिकायतों का निस्तारण कराया जा सके। इस अदालत में केवल राजकीय सेवको के पेंशन/पारिवारिक पेंशन, उपदान, राशिकरण एवं अन्य सेवानिवृतिक देयकों से संबन्धित समस्याओं का नियमो की सीमा में रहते हुये निस्तारण किया जाएगा। राज्य कर्मचारियों के अतिरिक्त जैसे नगर निगम, जिला परिषद जल निगम आदि से सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित प्रकरणो पर इस पेंशन अदालत में विचार नहीं किया जाएगा। दिनांक 01–12–2011 से पूर्व सेवानिवृत्त शासकीय सेवको के लंबित प्रकरणों पर इस कार्यालय में विचार नहीं किया जा सकेगा क्योंकि वे मंडलायुक्त गोरखपुर के कार्यक्षेत्र के अधीन है।

विश्व टीबी दिवस पर मरीजों को मिली पोषण सहायता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तेजवापुर में मानवीय पहल का उदाहरण देखने को मिला। 24 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में तेजवापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक अग्निहोत्री ने टीबी से ग्रसित पांच मरीजों को गोद लेते हुए उन्हें पोषण पोटली वितरित की। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है। समय पर जांच, नियमित दवा और पौष्टिक आहार से मरीज शीघ्र स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने मरीजों को दवा नियमित लेने और खानपान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। स्वास्थ्य विभाग ने टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं, ताकि समय रहते उपचार संभव हो सके। इस दौरान डा. अविनाश सिंह,बीपीएम अनुराधा कुशवाहा,बीसीपीएम रोहित वर्मा समेत अन्य मौजूद रहें।

कार और टेंपो की आमने–सामने भीषण टक्कर, 17 लोग गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। गोंडादृ उतरौला मार्ग पर धनौली गांव के पास इनोवा कार और टेंपो की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कुल 17 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हादसे के समय टेंपो में गोंडा, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर के कई यात्री सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. अतुल मिश्र के अनुसार, सभी 17 घायलों का उपचार जारी है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त इनोवा को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। इस हादसे के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

नगर पालिका क्षेत्र में विकास के लिये भाजपा नेता दिलीप पाण्डेय ने प्रभारी मंत्री को सौंपा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को लेकर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने बुधवार को प्रभारी मंत्री आशीष पटेल को पत्र देकर नगर के प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराए जाने की मांग किया। प्रभारी मंत्री को दिये पत्र पत्र में शहर की यातायात, जल निकासी, सड़क चौड़ीकरण और बिजली व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है। भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने पत्र में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण जनहित के कार्य लंबे समय से लंबित पड़े हैं, जिससे आम जनता को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करा दिया जाए तो शहर की यातायात व्यवस्था सुधरेगी, जलभराव की समस्या कम होगी और नगर का समुचित विकास हो सकेगा। उन्होंने अपने पत्र में सबसे प्रमुख मांग शहर में अंडरग्राउंड पार्किंग व्यवस्था शुरू कराने की उठाई है। उनका कहना है कि शहर में बढ़ते वाहनों की संख्या के कारण मुख्य बाजारों और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानी होती है। अंडरग्राउंड पार्किंग बनने से जाम की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। इसके अलावा उन्होंने नगर की प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण एवं इंटरलॉकिंग, सीवर निर्माण कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कई प्रमुख सड़कें संकरी होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। सड़क चौड़ीकरण से यातायात व्यवस्था सुगम होगी और लोगों को राहत मिलेगी। पत्र में एक और महत्वपूर्ण मुद्दा शहर के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों का उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि शहर के ऊपर लटक रहे बिजली के तारों को हटाकर अंडरग्राउंड केबलिंग कराई जाए। इससे जहां दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा, वहीं शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी। भाजपा नेता दिलीप पाण्डेय ने बस्ती के महुली मार्ग (हलुवापर से गौराघाट तक)सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य शीघ्र कराए जाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि यह मार्ग काफी व्यस्त रहता है और सड़क संकरी होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

विष्णु महायज्ञ के छठे दिन भक्ति में डूबा अटल नगर, कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वार्ड नंबर 2 अटल नगर, पिपरा पांडे में आयोजित विष्णु महायज्ञ के छठे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में अयोध्या धाम से पधारे भागवत भास्कर पंडित अरविंद त्रिपाठी ने कथा व्यास के रूप में श्रीमद् भागवत कथा का भावपूर्ण वर्णन किया।कार्यक्रम की शुरुआत में अजीत पांडे उर्फ मोहन पांडे द्वारा पूज्य महाराज का स्वागत किया गया। कथा के दौरान पंडित अरविंद त्रिपाठी ने सनातन धर्म के महत्व और श्रीमद् भागवत के प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष देवनारायण पांडे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गगन, विजय, रामस्वरूप, विशाल, दुर्गेश, राजविंदर, मनोज, सोहन व अन्य श्रद्धालुओं समेत हजारों की संख्या में लोगों ने कथा का श्रवण किया। पूरा पंडाल "भगवान विष्णु" के जयकारों से गूंज उठा।कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष पंडित सुधीर पांडे (फरसा बाबा) द्वारा किया गया। छठे दिन की कथा शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न हुई।

घरेलू गैस का संकट गहराया: महिलाओं ने सिर पर खाली सिलेण्डर रखकर किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सरकार द्वारा घरेलू गैस के उपलब्धता के दावे के बावजूद संकट गहराता जा रहा है। बुधवार को रूधौली विधानसभा क्षेत्र से भावी प्रत्याशी चांदनी चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं और नागरिकों ने हाथों में तख्तियां और खाली सिलेन्डर लेकर पं. अटल बिहारी बाजपेई आडिटोरियम से शास्त्री चौक तक प्रदर्शन किया। कहा कि घरेलू गैस के लिये लोग परेशान हैं और कई घरों में भोजन बनने का संकट पैदा हो गया है। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के बाद चांदनी चौधरी पत्नी मनोज चौधरी ने कहा कि जनपद में घरेलू गैस की लगातार हो रही किल्लत एवं काला बाजारी की बढ़ती घटनाओं को लेकर आम जनता में आक्रोश है। एक और सरकार द्वारा गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि जरूरतमंद उपभोक्ता गैस एजेंसियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बिचौलियों द्वारा गैस सिलेंडरों की काला बाजारी कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन और गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों के साथ सीधा अन्याय भी है। इस गंभीर समस्या का त्वरित समाधान निकाला जाय। 6 सूत्रीय ज्ञापन में गैस की काला बाजारी में संलिप्त व्यक्तियों पर सख्तकार्रवाई, वितरण प्रणाली को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने, प्रत्येक उपभोक्ता को समयबद्ध तरीके से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, जिला प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण एवं निगरानी , उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किये जाने, गैस बुकिंग के बाद डिलीवरी का टाइम 24 घंटे से 72 घंटा किये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने के दौरान चांदनी चौधरी के साथ जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र चौधरी, प्रमोद चौधरी, रूबी चौधरी, रंजना देवी, दूधनाथ चौधरी, जैसराम यादव, अमित सिंह, राधेश्याम, संजय चौधरी, , शैलेन्द्र चौधरी, विनोद मौर्य, संजू, राधिका, प्रियंका पाण्डेय, छोटे मिश्र, श्याम करन चौधरी, दूधनाथ, राजू भारती, सीमा गोंड के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

अवैध अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों ने लेखपाल पर लगाया गंभीर आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भानपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पकरी चौबे में सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गांव निवासी शिकायतकर्ता समसुद्दीन ने ग्राम प्रधान दुर्गावती देवी और क्षेत्रीय लेखपाल संतोष चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, गांव में स्थित गाटा संख्या 164, जिसका कुल रकबा लगभग 1. 09 हेक्टेयर है, 132 लैंड के रूप में दर्ज है।

यह जमीन गांव के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी भूमि के माध्यम से वर्षा और अन्य स्रोतों का पानी पूरे गांव गड़ही मे जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, यह भूमि प्राकृतिक जल निकासी का मुख्य मार्ग है, जिस पर अतिक्रमण होने से गांव में जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। समसुद्दीन का आरोप है कि गांव के हकीमुल्लाह, वाहिदुल्लाह, हैदर अली, मकसूद आलम, अब्दुल हकीम, मो. समीम, रहमत अली, शकील अहमद, मो. नइम,लोगों ने इस सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

इस मामले में वर्ष 2023 में तत्कालीन लेखपाल संतोष चौधरी द्वारा नौ लोगों को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन लेखपाल संतोष चौधरी व विनोद कुमार के द्वारा सिर्फ हैदर अली, मो. समीम, और रहमत अली के खिलाफ कार्यवाही कि गई।जिससे ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि अतिक्रमण हटेगा और भूमि को मुक्त कराया जाएगा। लेकिन शिकायतकर्ता का कहना है कि इसके बाद मामला उल्टा मोड़ ले लिया। आरोप है कि ग्राम प्रधान और लेखपाल की कथित मिलीभगत से मामले को दबाने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, नौ में से केवल तीन लोगों के खिलाफ ही धारा 115ब के तहत कार्रवाई की गई, जबकि बाकी छह लोगों के नाम कथित रूप से पैसे लेकर सूची से हटा दिए गए।

इस पूरे घटनाक्रम ने गांव में आक्रोश और असंतोष का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि स्वयं ग्राम प्रधान द्वारा भी उक्त भूमि पर अतिक्रमण किया गया है, जिससे मामले की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब जिम्मेदार पद पर बैठे लोग ही नियमों का उल्लंघन करेंगे, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। वर्तमान स्थिति यह है कि जिन लोगों पर अतिक्रमण का आरोप है, उनका कब्जा अब भी बरकरार है। इससे न केवल सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा बना हुआ है, बल्कि गांव के जल निकासी तंत्र पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में गांव को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले को लेकर शिकायतकर्ता समसुद्दीन सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही अतिक्रमित भूमि को तत्काल खाली कराकर उसे पुनः सार्वजनिक उपयोग के लिए बहाल किया जाए।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर आरोपों वाले मामले में क्या कदम उठाता है और क्या वास्तव में गांव की सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जा सकेगा या नहीं।जब इस सम्बन्ध मे कानूनगो सुनील कुमार त्रिपाठी व क्षेत्रीय लेखपाल संजय कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान मे हैं और सभी के खिलाफ जल्द कानूनी कार्यवाही कि जाएंगी।

रंग लायी 'राम जी का पेड़ा' की पहल: मिला बारह लाख इकतीस हजार रुपये का आर्डर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। 'राम जी का पेड़ा' योजना की पहल को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है और अब तक इसके लिए 12,31,000 (बारह लाख इकतीस हजार रुपये) के आर्डर प्राप्त हो चुके हैं। यह जानकारी देते हुये पहल के मनीष मिश्रा ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि प्राप्त आर्डर से होने वाले लाभ में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हिस्से का प्रॉफिट नकद रूप में वितरित किया गया, क्योंकि अधिकांश महिलाओं के बैंक खाते अभी नहीं खुले हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले माह तक सभी संबंधित महिलाओं के बैंक खाते खुल जाने के पश्चात लाभ की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में पत्रकारों से बातचीत करते हुये मनीष मिश्रा ने बताया कि इस योजना से जुड़े 100 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में से प्रत्येक महिला को, अर्थात् 1000 महिलाओं को 1,000–1,000 हजारा की राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही, महिलाओं को पेड़ा निर्माण का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे उच्च गुणवत्ता का 'राम जी का पेड़ा' तैयार कर सकें और इसे प्रसाद के रूप में बेहतर मानकों के साथ उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिलेगा। भविष्य में इस योजना का दायरा और विस्तारित करने की भी योजना है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इससे जुड़कर लाभान्वित हो सकें।

होनहार गुड़िया ने बढ़ाया जनपद का मान, सर्वोदय विद्यालय चयन परीक्षा में पाई सफलता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के नौगढ़ विकास खंड अंतर्गत एक नन्ही मेधावी छात्रा ने अपनी

प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राथमिक विद्यालय बरोहिया खालसा की कक्षा 5 की छात्रा गुड़िया का चयन प्रतिष्ठित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए हुआ है। इस सफलता से परिवार, विद्यालय और पूरे गांव में खुशी की लहर है। गुड़िया की इस उपलब्धि के पीछे उसकी अथक मेहनत और शिक्षिका दिव्या जायसवाल का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। दिव्या जायसवाल ने न केवल उसे पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया, बल्कि परीक्षा की तैयारी के हर पहलू को समझाने में भी पूरा सहयोग दिया। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश के बावजूद गुड़िया ने यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। देउरा जंगल गनेरा (सोंहास खास) निवासी गुड़िया के पिता धर्मराज और माता प्रभावती अपनी बेटी की सफलता पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। विद्यालय के शिक्षकों और ग्रामीणों का कहना है कि गुड़िया शुरू से ही पढ़ाई में तेज रही है और उसकी यह उपलब्धि उसके उज्जवल भविष्य की ओर एक मजबूत कदम है। गुड़िया की शिक्षिका दिव्या जायसवाल ने कहा– "गुड़िया की सफलता अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा है। सरकारी स्कूलों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो सिर्फ सही दिशा और मार्गदर्शन की।" इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने गुड़िया और उसके अभिभावकों को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राम कथा के पांचवें दिन राम–जानकी विवाह का हुआ भव्य आयोजन, गूंजे विवाह गीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार क्षेत्र के गौरी पाठक गांव में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन मंगलवार को राम–जानकी विवाह का प्रसंग अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। विवाह प्रसंग के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथावाचक रामकुमार दास जी महाराज ने बताया कि गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम ने जनकपुरी में आयोजित स्वयंवर में शिव धनुष को उठाकर भंग कर दिया। शिव धनुष के टूटते ही उसकी टंकार दूर–दूर तक गूंज उठी। इस टंकार को सुनकर भगवान परशुराम क्रोधित होकर सभा में पहुंच गए। उन्होंने सभा में उपस्थित राजाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि जिसने शिव धनुष को तोड़ा है, उसे सामने आना होगा, अन्यथा वह सभी राजाओं का वध कर देंगे। इस दौरान भगवान लक्ष्मण और परशुराम के बीच काफी देर तक वाद–विवाद चला, जिससे सभा में मौजूद सभी लोग स्तब्ध रह गए। बाद में भगवान श्रीराम ने अत्यंत विनम्रता के साथ परशुराम जी से कहा कि किसी शिष्य द्वारा धनुष भंग हो गया होगा, जिससे उनका क्रोध शांत हो गया। इसके बाद जब भगवान परशुराम को श्रीराम के वास्तविक दिव्य स्वरूप का ज्ञान हुआ तो उन्होंने प्रभु को प्रणाम किया और वहां से वापस चले गए। कथा के अनुसार, इसके बाद राजा जनक ने अयोध्या के महाराज दशरथ को संदेश

गौरी पाठक में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन मिथिला में राम-विवाह संपन्न होने पर सभा में बैठे भगवान श्रीराम, माता जानकी व श्री लक्ष्मण।

गौरी पाठक में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन मिथिला में आयोजित सीता स्वयंवर में धनुष भंग होने के पश्चात भगवान श्रीराम माता जानकी को वरमाला पहनाते हुए।

भेजकर मिथिला नगरी में विवाह के लिए आमंत्रित किया। राजा दशरथ बारात लेकर मिथिला पहुंचे, जहां भगवान श्रीराम का विवाह माता सीता के साथ संपन्न हुआ। साथ ही लक्ष्मण–उर्मिला, भरत–मांडवी और शत्रुघ्न–श्रुतकीर्ति का भी विधि–विधान से विवाह कराया गया। विवाह प्रसंग के दौरान गौरी पाठक की महिलाओं ने पारंपरिक विवाह गीत गाकर वातावरण को और भी आनंदमय बना दिया। महिलाओं ने "आजु मिथिला नगरिया निहाल सखिया, चारो दूल्हा में बड़का कमाल सखिया३" जैसे मंगल गीत गाए। वहीं वधू पक्ष की ओर से गारी गीत भी गाए गए, जिसमें "पहुना के गरियहिहा जनी, हवन बड़ा धीर हो३" की धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। राम–जानकी विवाह के इस भावपूर्ण प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया और पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

मिशन शक्ति अभियान में सीओ ने पढ़ाया महिलाओं व छात्राओं को सुरक्षा का पाठ

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत थाना परिसर में मातृ शक्ति एवं स्कूली छात्राओं को जागरूक करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान मिशन शक्ति कार्यालय में संचालित विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों एवं उनमें की जाने वाली प्रविष्टियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि शासन स्तर पर कई लाभकारी योजनाएं संचालित हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में अधिकांश लोग इनका लाभ नहीं उठा पाते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) मयंक द्विवेदी ने महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। पुलिस टीम द्वारा उन्हें अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव, दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधित मामलों में कानूनी सहायता एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही बताया गया कि सभी थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां महिलाएं अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई, जिनमें 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 101 अग्निशमन सेवा, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन प्रमुख हैं। इस दौरान इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष यादव, उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल रूबी दूबे, सुजाता राव, शोभा भारती, साक्षी सिंह, कांस्टेबल दिनेश यादव एवं प्रभाकर यादव सहित शारदा पब्लिक स्कूल की छात्रा मनीषा, सरगम, अनुष्का, नेहा, किरन, ममता आदि मौजूद रहे।

हनुमान चालीसा पाठ में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को स्थानीय श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ एवं आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदू समाज के लोगों और श्रद्धालुओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। ज्ञात हो कि श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में मां दुर्गा, श्रीराम दरबार, भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की मूर्तियां स्थापित हैं वहीं मंदिर के प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर हनुमान जी, भगवान शिवशंकर एवं भगवान शनि देव का मंडप बना हुआ है, जहां श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक अपने नाम की अरदास लगाते हैं। मंदिर में नियमित रूप से मंदिर पुजारी सत्य प्रकाश शुक्ला द्वारा पूजन–अर्चन किया जाता है। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और आरती में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर मंदिर पुजारी सत्य प्रकाश शुक्ला, टिंकू वर्मा, राधेश्याम पटवा, रामकुमार तिवारी, राकेश जायसवाल, शिव पूजन कसौधन, फूलचंद गुप्ता, शीतल उमर, चंदन वर्मा, मनोज गुप्ता, दिलीप वर्मा, बबलू गौड़, शिवकुमार रावत सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तीन गांवों में लगी ग्राम चौपाल, चकबंदी समस्याओं के समाधान का भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में चकबंदी प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए 25 मार्च 2026 को नौगढ़, इटवा और डुमरियागंज तहसीलों के गांवों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के निर्देशन एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। नौगढ़ तहसील के ग्राम चिल्लेदर्रा ग्रांट में

चकबंदी अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में चौपाल आयोजित हुई, जिसमें संबंधित अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान व समिति सदस्य उपस्थित रहे। इसी तरह इटवा तहसील के ग्राम चोरथरी तप्पा बुड्ढी और डुमरियागंज के ग्राम वेतनार एहतमाली में भी चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। चौपाल में चकबंदी से जुड़ी समस्याओं, वरासत और बैनामे के मामलों को लेकर ग्रामीणों ने अपनी बात रखी। अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों ने चकबंदी प्रक्रिया पर संतोष जताते हुए विभाग की पहल की सराहना की। यह चौपाल कार्यक्रम ग्रामीणों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण : बांसी में आयोजित कार्यक्रम में गिनाईं उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

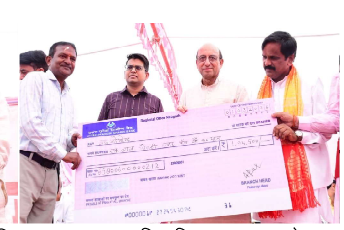

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के

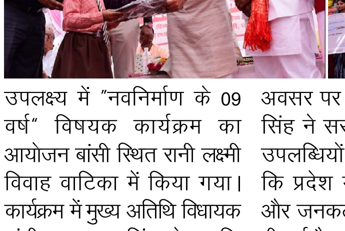

उपलक्ष्य में "नवनिर्माण के 09 वर्ष" विषयक कार्यक्रम का आयोजन बांसी स्थित रानी लक्ष्मी विवाह वाटिका में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक बांसी जय प्रताप सिंह रहे, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विधायक जय प्रताप सिंह ने सरकार की 9 वर्षों की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में विकास, सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और सिंचाई सुविधाओं का भी जिक्र किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है और उत्तर प्रदेश निवेश का केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने जनपद में मेडिकल कॉलेज, आवास योजना, आयुष्मान योजना और अन्य सुविधाओं के विस्तार को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को आवास की चाभी दी गई, वहीं स्वयं सहायता समूह, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान योजना, पीएम सूर्यघर योजना और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्कूली बच्चों को बैग वितरित किए गए तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कार्यक्रम में आए जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जनपद के कई अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

वित्तीय एवं प्रशासनिक विलंब मामलों पर सख्ती, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सभापति डॉ. रतन पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सदस्य विधान परिषद अवधेश कुमार सिंह (मंजू सिंह) और ध्रुव कुमार त्रिपाठी सहित जनपद के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों में लंबित वित्तीय एवं प्रशासनिक मामलों की समीक्षा कर उनके त्वरित निस्तारण के लिए दिशा–निर्देश देना था। सभापति डॉ. रतन पाल सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। समिति ने पाया कि कई मामलों में प्रक्रियात्मक देरी के कारण कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिस पर नाराजगी जताई गई। बैठक में विभागीय समन्वय को मजबूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने और डिजिटल माध्यमों के अधिक उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने और लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने आश्वासन दिया कि समिति के निर्देशों का पालन करते हुए सभी मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। अंत में सभापति ने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि भविष्य में कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीराम के वनगमन प्रसंग ने नम कीं आंखें, भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर के अवेद्यनाथ सभागार में चल रहे श्रीराम कथा महोत्सव के छठवें दिन बुधवार को श्रीराम के वनगमन प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और हृदयस्पर्शी वर्णन किया गया। कथा वाचक संत गौरव कृष्ण शास्त्री ने अपनी ओजस्वी और भावपूर्ण वाणी से उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कथा के दौरान संत शास्त्री ने कहा कि श्रीराम का वनगमन केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने बताया कि

किस प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन की मर्यादा बनाए रखने के लिए राजपाट, सुख–सुविधाओं और वैभव को त्याग कर वनवास को स्वीकार किया। यह प्रसंग आज भी समाज को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने माता सीता और लक्ष्मण के साथ श्रीराम के वनगमन की भावनात्मक झलकियों को इतने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया कि श्रद्धालु भावुक हो उठे। जैसे ही अयोध्या त्याग का प्रसंग आया, सभागार में सन्नाटा छा गया और कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। पूरा वातावरण जय श्रीराम के उद्‌घोष से गूंज उठा। कथा वाचक ने अपने प्रवचन में वर्तमान समाज को संबोधित करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों सत्य, त्याग और कर्तव्यपरायणता को अपने जीवन में अपनाए, तो समाज में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना संभव है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़कर अपने जीवन को सार्थक बनाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं एवं युवा मौजूद रहे। कथा के समापन पर भगवान श्रीराम की आरती उतारी गई, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के आगामी दिनों में भी श्रीराम कथा के विभिन्न प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर सदर विधायक श्यामधनी राही, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव समेत शिवदत्त अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव, संदीप जायसवाल, राघवेंद्र यादव, रमेश गुप्त, महेश्वर अग्रहरि, अजय कसौंधन, रजनीश उपाध्याय, सुनील त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी, अनिल वर्मा, सुनील श्रीवास्तव, श्रीश श्रीवास्तव, पंकज पासवान, देव अग्रहरि, साधना श्रीरवास्तव, डॉ. सीमा मिश्रा, मनोरमा पांडेय, सुधा त्रिपाठी, आशा उपाध्याय, सोनू कसौंधन आदि की मौजूद रहीं।

सम्पादकीय

सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए...

बीमा कंपनियों व अस्पतालों का मकड़जाल

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल–फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे–बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल–फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु–परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे–ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक–तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन–मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश–दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए। लेकिन इससे जुड़े जटिल व अस्पष्ट नियमों को पारदर्शी ढंग से समझाया ही नहीं जाता, जिसको वे बाद में इलाज कराने के उपरांत भुगतान रोकने का जरिया बना लेती हैं। जिसके चलते अक्सर अस्पताल में भर्ती होने पर आए खर्च और बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान की गई राशि में बड़ा अंतर नजर आता है। निस्संदेह, देश में इस दिशा में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच होनी चाहिए कि मरीजों को बीमे का कितना लाभ मिला और अस्पताल तथा बीमा कंपनियों के मुनाफे का स्तर क्या रहा। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए निगरानी हेतु एक राष्ट्रीय तंत्र बनाया जाना जरूरी है।

बड़ी है कामयाबी अब जश्न मनाने का वक्त

अब घर में गैस आ गई है। किचन हंस रहा है। गैस का चूल्हा हंस रहा है। अंग–अंग टूटा होने के बाद भी मैं हंस रहा हूं। तू हंस रही है, पर पड़ोसी रो रहा है। उसे लगता है मेरे हाथ बहुत लंबे हैं। उठ गैसजली उठ! देख, तेरा योद्धा गैस सिलेंडर विजेता बनकर आया है। उठकर मेरा विजय तिलक कर। घर में गैस का सिलेंडर आने पर मंगल गीत गा। मोहल्ले में लड्डू बांट। आज की तारीख में जो गैस का सिलेंडर अपने घर ला रहा है, वह विजेता माना जा रहा है। सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में लग पेशेंस के साथ अपनी बारी का इंतजार करना बच्चों का खेल नहीं। अगर किसी की पेशेंस को मापना हो तो उसे गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़ा कर दिया जाए। आंखें खोलकर देख, गैस के सिलेंडर के लिए चारों ओर कितना हाहाकार है? जनता का घरेलू गैसीय क्रंदन सुन! सरकार का गैस मल्हार सुन! जिनके घरों में गैस सिलेंडर भरे हैं, वे अपने गैस सिलेंडरों के पास दिन–रात ठीकरी पहरा दे रहे हैं। जिनके पास लॉकर हैं, उनमें अपने भरे गैस के सिलेंडरों को लॉक करके रखा है। जो जैसे–कैसे घर गैस के भरे सिलेंडर लेकर आ रहे हैं, वे कड़ी सुरक्षा के बीच अपने कंधों पर गैस सिलेंडर उठाए आ रहे हैं। क्या पता रास्ते में कौन कच्छाधारी गिरोह उनका सिलेंडर लूट ले। गैस संकट के बीच जिधर देखो, वहीं गैस का काला बाजार है। आईसीयू से अधिक वेटिंग गैस के सिलेंडर की चल रही है। देख पगली! कल तक जो लकड़ियों पर रोटी बनाने के नुकसान गिनाते नहीं थकते थे, आज वही गैस की किल्लत से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जनहित में लकड़ियों पर बनी रोटी के फायदे गिनाने लगे हैं। मीडिया वाले टीवी पर लकड़ियों के चूल्हे पर बनती रोटियों की एक्सक्लूसिव फुटेज दिखाने लगे हैं। टीआरपी ऐसे ही बढ़ती है। डियर गैसजली! अब घर में गैस आ गई है। किचन हंस रहा है। गैस का चूल्हा हंस रहा है। अंग–अंग टूटा होने के बाद भी मैं हंस रहा हूं। तू हंस रही है, पर पड़ोसी रो रहा है। उसे लगता है मेरे हाथ बहुत लंबे हैं। घर में गैस सिलेंडर आ जाने पर मैं लंबी लाइन में लगने की थकान भूल गया हूं। घर में गैस का सिलेंडर आ जाने पर अब तुझे बेड–टी पिलाने के बाद तुझे जागृति का मधुर गीत सुनाते–सुनाते जगाऊंगा। उसके बाद ब्रेकफास्ट में आज जो तू कहेगी वही तेरे लिए बनाऊंगा। मैं तेरी पसंद से बाहर थोड़े ही हूं पगली! लंच करने के बाद पड़ोसी के घर उसकी किचन के हाल देखने चलेंगे।

वक्त बदला है तो सास को भी बदलना होगा

रोचक है कि कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में प्रतीक को मार्गेरिटा सीट से उम्मीदवार नामित किया था। यहीं से उनके पिता चार बार विधायक चुने गए थे। खैर, मुकाबला दोनों के बीच है, लेकिन चेहरे 'कांग्रेसी' ही दिखेंगे। असम के चुनावी 'दलदल' के बीच जनता खामोश है। नेताओं की रैलियों में भीड़ तो जुट रही है, लेकिन यह वोटों में कितना तब्दील होगा, उसका अंदाजा अभी सियासी पंडित नहीं लगा पा रहे हैं। असम विधानसभा...

हालांकि, अब महानगरों में बहुओं की पारंपरिक छवि टूट चुकी है। यों भी इन दिनों की नौकरियां ऐसी नहीं हैं कि नौकरी भी कर लो और घर के काम भी निपटा लो। इसलिए सहायक–सहायिकाओं की मदद लेनी पड़ती है। पिछले दिनों अपने इसी अखबार के प्रथम पृष्ठ पर एक दिलचस्प खबर पढ़ी। इसमें बताया गया कि पंजाब के बठिंडा जिले के बल्लो गांव की पंचायत ने बेस्ट सास अवार्ड शुरू किया है। इसकी पहल गांव की सरपंच अमरजीत कौर ने की। इसे प्रति वर्ष आठ मार्च को यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। छह महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। यह पुरस्कार किन महिलाओं को दिया जाए, इसके लिए पूरे गांव से रिपोर्ट ली जाएगी। बहुओं और पड़ोसियों की राय पर भी ध्यान दिया जाएगा। सरपंच अमरजीत कौर ने यह भी कहा कि इससे पारिवारिक सम्बंध मजबूत होंगे। समझदार सास घर की नींव होती है, जो अपनी बहू को अपनाकर घर को स्वर्ग बना देती है। इस अवसर पर सबसे अधिक पुस्तकें पढ़ने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। अपने समाज में लड़की को बचपन से ही सिखाया जाता है कि उसे पराए घर जाना है। पराए घर जाकर सास से निपटना है। सास की तस्वीर बहुत डरावने ढंग से पेश की जाती थी। बचपन की एक घटना अक्सर याद आती है। छठी कक्षा में पढ़ती थी। लड़कियों का स्कूल था। वहां एक बहुत वृद्ध महिला गणित पढ़ातीं। सफेद साड़ी ही पहनतीं। उनके बाल भी एकदम सन से सफेद थे। एक दिन गणित पढ़ाते–पढ़ाते, वे

हम सब लड़कियों से कहने लगीं कि सिर्फ गणित पढ़ने से ही, सब कुछ नहीं होगा। जब ससुराल जाओगी तो वहां कैसे जीना है, यह सीखना पड़ेगा। एक लड़की ने पूछा कि बहन जी क्या सीखना होगा। तब वह हंसते हुए बोलीं कि सास के लिए इम्तिहान में पास होना। कैसा इम्तिहान, तो उन्होंने बताया कि हर सास का इम्तिहान लेने का तरीका अलग–अलग होता है। जैसे कि मेरी शादी जब हुई तो मैं बारह साल की थी। शादी के अगले दिन ही सास ने गेहूं और बाजरा मिलाकर सामने रख दिया कि इसे अलग–अलग करो। शाम तक काम पूरा करना है। घर के और काम भी थे। शाम क्या, पूरी रात हो गई, फिर भी नहीं कर पाई। इसी तरह एक दिन नमक और चीनी मिलाकर रख दी। नमक में से चीनी बीननी थी। शर्त यह भी थी कि चीनी से एक भी नमक का दाना चिपका नहीं रहना चाहिए। उनकी बातें सुनकर घबराहट–सी होने लगी। घर जाकर मां को सारी बात बताई। यह भी पूछा कि क्या अम्मा (दादी) भी तुम्हारे साथ ऐसा करती थीं। मां ने हंसकर कहा, तेरी अम्मा बड़ी कठोर स्वभाव की थीं। बहुओं को पर्दे में रखती थीं, उनकी हर बात को मानना भी पड़ता था, मगर ऐसा कभी नहीं किया। ये तो टाइम खराब करना हुआ कि बाजरे में गेहूं मिला दो और चीनी में नमक। इससे तो गेहूं साफ ही करा लिए जाते, जिससे कि काम बचता। और नमक से चीनी चाहे जितनी अलग कर ली हो, नमकीन हो गई होगी। मां ने चाहे जितना समझाया, लेकिन सास की तस्वीर ऐसी बनी रही। बड़ी होकर जब भी साथ की किसी लड़की की शादी होती और वह कहती कि उसकी सास बहुत अच्छी हैं, तो लगता कि झूठ बोल रही है। क्योंकि मान लिया था कि सास खराब ही होती हैं, जो अक्सर दिखता भी था। पुराने जमाने की हिंदी फिल्मों में भी ललिता पंवार मार्का सासें दिखाई देती थीं। जिनका पहला और आखिरी काम यही होता था कि वे बहू को कैसे सताएं। इसके लिए वे अपने बेटों को बहू को पीटने और शारीरिक हिंसा करने के लिए भी उकसाती थीं। जब बहू पिटती थी, दर्शक तालियां बजाते थे। ये वे बहुएं होती थीं, जिन्हें घुट्टी में पिलाया जाता था कि जिस घर में डोली गई, वहां से अर्थी ही उठे। ये अभागी महिलाएं करतीं भी क्या, क्योंकि शादी के बाद इन्हें अपने परिवार वाले भी ससुराल के भरोसे छोड़ देते थे। तलाक लेना बहुत बदनामी का कारण बनता था। ये बहुएं न शिक्षित थीं और न ही आत्मनिर्भर। आखिर जाती भी कहां। इसलिए सास और ससुराल को सहने और समझौता करने के अलावा और कोई रास्ता भी नहीं था। और तो और बहुत से परिवारों में गैस होते हुए भी अक्सर स्टोव बहुओं पर फट जाते थे। स्टोवों को भी मालूम था कि उन्हें बस बहुओं पर ही फटना है। अक्सर दहेज हत्याएं ऐसे ही की जाती थीं। इस संदर्भ में महान लेखिका महादेवी वर्मा का संस्मरण भाभी इतना मार्मिक है कि पढ़ते हुए आंसू बहने लगते हैं। यहां बहू को सताने के लिए सास नहीं, ननद है, वह भी विवाहित। जो जब आती है, तब अपनी विधवा भाभी को बुरी तरह से पीटती है, उसे जगह–जगह जलाती है। और उन्नीस साल की विधवा स्त्री, यह सब झेलने को मजबूर है। इन सासों की मानसिकता पर ध्यान दें, तो ये अपनी सास के अत्याचार का बदला, बहुओं से लेती थीं। जो इन्होंने सहा, बहू भला उससे कैसे बचे और क्यों बचे। जबकि कायदे से होना यह चाहिए था कि जो अपमान, अत्याचार, जिल्लत, इन्होंने सही, वह बहू को न सहनी पड़े और एक तरह से अत्याचार का सिलसिला थमे। संयुक्त परिवारों की ये ऐसी आफतें थीं, जिनका शिकार बहुएं होती थीं। दहेज का तड़का इन अत्याचारों को बेतहाशा बढ़ाता था।

न्याय की सुलभता हो कानूनी शिक्षा का मकसद

'एल्गोरिदम की समझ' और 'ऑनलाइन विवाद समाधान' के इस युग में सफलता का मंत्र अब केवल 'किताबी ज्ञान' नहीं, बल्कि 'तकनीकी निपुणता' और 'व्यावहारिक कौशल' का मेल है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बोनी फोई लॉ कॉलेज (2023) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मानकों में सुधार न्यायिक ढांचे के लिए अपरिहार्य है। विश्वविद्यालयों को ...

देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी तैयार करना जरूरी है। विश्वविद्यालयों में ऐसे 'न्याय के प्रहरी' तैयार किये जाएं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों तथा असल सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों। भारत में कानूनी शिक्षा को केवल एक स्नातक डिग्री हासिल करने के माध्यम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सजग 'सोशल इंजीनियर' तैयार करना है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिला सकें। हाल ही में अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ (2026) मामले में उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की। स्पष्ट किया कि कानूनी शिक्षा जैसे नीतिगत मामलों में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा। यह वक्तव्य संकेत करता है कि वर्तमान में जारी 4 साल बनाम 5 साल की अवधि का विवाद केवल समय की गणना का नहीं, बल्कि 'गुणवत्ता, सार्थकता और परिपक्वता' का है। कानून कोई यांत्रिक या तकनीकी विषय नहीं जिसे सिर्फ सूत्रों से समझा जा सकेय यह समाज, संस्कृति व नैतिकता के ताने–बाने से बुना हुआ है। सफल 'विधिवेत्ता' बनने के लिए छात्र को वे सामाजिक मूल्य आत्मसात करने हेतु पर्याप्त 'मानसिक स्पेस' व समय चाहिये।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप अनिवार्य रूप से श्न्याय की सुलभताश पर केंद्रित होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का बड़ा दोष है कि यह मुख्यतया कॉर्पोरेट घरानों व उच्च न्यायालयों के लिए वकील तैयार करती है। हमें यह ढांचा बदलने की जरूरत है ताकि वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी समान रूप से तैयार किया जा सके। इसके लिए 'लोक अदालत' और 'मध्यस्थता' जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और व्यावहारिक हिस्सा बनाना होगा। क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका यहां और भी अहम हो जाती है। उन्हें स्थानीय विधिक समस्याओं, जैसे ग्रामीण भूमि विवाद, पारिवारिक उत्तराधिकार और सामुदायिक न्याय प्रणालियों पर 'क्लीनिकल रिसर्च' को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक कानून का छात्र जमीन से नहीं जुड़ेगा, न्याय की वास्तविक अवधारणा को नहीं समझ पाएगा।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो कानूनी शिक्षा का ढांचा इस बुनियादी प्रश्न पर टिका है कि इसे 'सामान्य स्नातक' माना जाए या 'विशेषज्ञता वाला पेशा'। भारत में 5–वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सबसे लोकप्रिय है, जो छात्र को शुरू से ही कानूनी परिवेश में ढाल देता है। इसके उलट, अमेरिका में कानून 'पोस्ट–ग्रैजुएट' शोध विषय है। पश्चिमी देशों में कानून 'अकादमिक अनुसंधान' का विषय है, जबकि भारत में इसे 'व्यावसायिक कौशल' तक सीमित कर देते हैं। विकसित देशों के संस्थान 'विधिक तर्कशीलता' के साथ ही शविषयांतर अनुशासनात्मकश शिक्षा पर बल दे रहे हैं। हमें भी अब कानून को डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा। अंतरिक्ष कानून, ऊर्जा कानून और खेल कानून जैसे उभरते क्षेत्रों को अपनाना वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने को अनिवार्य है।

मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विधिक शोध और दस्तावेज लेखन बेहद सरल बना दिया। कानून से जुड़े बुनियादी कार्य मशीनों द्वारा किए जाने की प्रबल संभावना है। चुनौती 'मानवीय विवेक बनाम मशीन' की है। अधिवक्ताओं को 'मशीनी निर्भरता' पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। मशीनी एल्गोरिदम जानकारी तो दे सकते हैं, लेकिन उस 'मानवीय अंतर्दृष्टि' और 'व्यावसायिक नैतिकता' का स्थान नहीं ले सकते जो एक जटिल मामले में न्यायपूर्ण निर्णय के लिए जरूरी होती है। इसलिए, पाठ्यक्रम में 'विधिक तकनीक', 'डिजिटल नैतिकता' और 'साइबर सुरक्षा कानून' को अनिवार्य शामिल करना चाहिए। सफल अधिवक्ता वही होगा जो तकनीक को 'गुलाम' की तरह उपयोग करे, न कि उसका गुलाम बन जाए। 'लीगल डिजाइन थिंकिंग' का उपयोग कर कानून की जटिलताओं को सरल बनाकर आम आदमी के लिए सुलभ बना सकते हैं।

भारतीय कानूनी जगत की विडंबना है कि न्याय की भाषा आज भी मुख्यतरू अंग्रेजी है, जबकि बहुसंख्यक आबादी इस भाषा से अपरिचित है। 'बहुभाषी शिक्षा' और 'कानूनी अनुवाद' को बढ़ावा देना समय की मांग है। वास्तविक विधिक क्रांति तब आएगी जब एक वकील अपनी स्थानीय भाषा में जटिल कानूनों को समझा सके और न्यायालय में पैरवी कर सके। शिक्षा का माध्यम ऐसा हो जो भाषाई बाधाओं को तोड़ कानून की समझ को सर्वव्यापी बनाए। जब तक कानून की पढ़ाई बोझिल और औपनिवेशिक शब्दावली से मुक्त नहीं होगी, तब तक यह समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए 'अनसुलझी पहेली' रहेगी। जैसे मेडिकल छात्र के लिए अस्पताल में बिताया गया समय उसके कैरियर की नींव होता है, वैसे ही लॉ छात्रों के लिए 'लीगल एड क्लीनिक्स' और 'मूट कोर्ट्स' वास्तविक पाठशालाएं हों। छात्रों को वास्तविक मुकदमों, क्लाइंट काउंसलिंग और कानूनी ड्राफ्टिंग का व्यावहारिक अनुभव मिले। पाठ्यक्रम में छात्रों के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'वर्क–लाइफ बैलेंस' पर भी ध्यान दिया जाए। 'एल्गोरिदम की समझ' और 'ऑनलाइन विवाद समाधान' के इस युग में सफलता का मंत्र अब केवल 'किताबी ज्ञान' नहीं, बल्कि 'तकनीकी निपुणता' और 'व्यावहारिक कौशल' का मेल है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बोनी फोई लॉ कॉलेज (2023) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मानकों में सुधार न्यायिक ढांचे के लिए अपरिहार्य है। विश्वविद्यालयों को अब 'वकीलों की फौज' पैदा करने वाली फैक्टरी बनने से रुकना होगा।

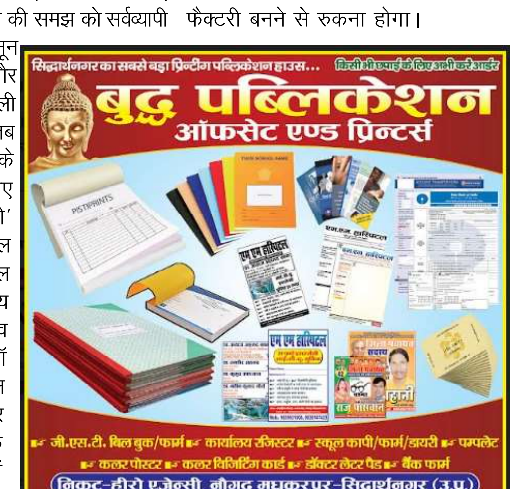

राजस्थान रॉयल में नहीं मिला था मौका, अब आरसीबी के चेयरमैन बने कुमार मंगलम बिरला के बेटे आर्यमन, जानें इनके बारे में

आदित्य बिरला समूह के नेतृत्व वाले एक समूह ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को 1.78 अरब रुपये (16,000 करोड़ रुपये से अधिक) में खरीद लिया। इस समूह में टाइम्स ऑफ इंडिया समूह, डेविड ब्लिट्जर की बोल्ट वेंचर्स और अमेरिका स्थित ब्लैकस्टोन निवेश समूह भी शामिल हैं। समूह ने यूके स्थित डियाजियो पीएलसी की सहायक कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) के साथ आरसीबी की पुरुष और महिला (डब्ल्यूपीएल) दोनों टीमों में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का समझौता किया। अधिग्रहण के बाद, आर्यमन बिरला फ्रेंचाइजी के अध्यक्ष बनेंगे। यह सौदा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) की मंजूरी पर निर्भर है, जिसके बाद कंसोर्टियम औपचारिक रूप से फ्रेंचाइजी का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगा। एक महत्वपूर्ण घोषणा में, आर्यमन बिरला को आरसीबी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

आर्यमन बिरला कौन हैं?

अरबपति उद्योगपति कुमार मंगलम बिरला के बेटे आर्यमन ने व्यावसायिक नेतृत्व में आने से पहले पेशेवर क्रिकेट में अपना करियर बनाया था। 17 साल की उम्र में, आर्यमन ने मध्य प्रदेश क्रिकेट में अवसर तलाशने के लिए मुंबई छोड़ दिया, इससे पहले उन्हें इंग्लैंड में वेस्ट हैम्पस्टेड क्रिकेट क्लब और लंदन स्कूल्स क्रिकेट एसोसिएशन में पूर्व मिडलसेक्स क्रिकेटर पॉल वीक्स के मार्गदर्शन में खेलने का अनुभव प्राप्त हुआ था।

घरेलू क्रिकेट में उनकी पहली बड़ी सफलता 2017 में रणजी ट्रॉफी में उनके पदार्पण के साथ मिली। इससे एक साल पहले, उन्होंने सीके नायडू ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ पारियों में तीन शतकों सहित 75.25 के औसत से 602 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ रन सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था। नौ प्रथम श्रेणी मैचों में – जिनमें से आठ 2018–19 रणजी ट्रॉफी में खेले गए – आर्यमन ने अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई, जिसमें ईडन गार्डन्स में बंगाल के खिलाफ उनका जुझारू पहला शतक भी शामिल था, जिसने मध्य प्रदेश को ड्रॉ दिलाने में मदद की। अपने इस कार्यकाल के दौरान, उन्होंने वर्तमान आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और वेंकटेश अय्यर के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया, जिन्हें हाल ही में फ्रेंचाइजी ने खरीदा है।

उन्हें 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने चुना था, लेकिन दो सीजन में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। दिसंबर 2019 में, 22 वर्ष की आयु में, आर्यमन ने क्रिकेट से अनिश्चितकालीन विराम की घोषणा की, जिसका कारण उन्होंने खेल से संबंधित गंभीर चिंता बताया।

व्यापार की ओर रुख – और फिर क्रिकेट में वापसीः क्रिकेट से ब्रेक लेने के बाद, आर्यमन ने कॉर्पोरेट जगत में कदम रखा और धीरे–धीरे आदित्य बिरला समूह में नेतृत्व की भूमिकाएँ संभालीं। उनके पास हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए (ऑनर्स), बेयस बिजनेस स्कूल से ग्लोबल फाइनेंस में मास्टर डिग्री और मुंबई विश्वविद्यालय से वाणिज्य की डिग्री है। वह वर्तमान में आदित्य बिरला मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन के बोर्ड में कार्यरत हैं और ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल सहित प्रमुख समूह कंपनियों में निदेशक की भूमिका निभाते हैं।

सारे अमेरिकी बेस को करो बंद...ईरान तो बड़ा खिलाड़ी निकला, वार्ता के लिए ट्रंप के सामने रख दी कड़ी शर्त

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वार्ता पुनः शुरू करने के प्रस्ताव के जवाब में, ईरान ने कथित तौर पर कई व्यापक मांगें रखी हैं, जिनमें खाड़ी में अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद करना, प्रतिबंधों को समाप्त करना और एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर नियंत्रण हासिल करना शामिल है। यह तब हुआ जब तेहरान ने सार्वजनिक रूप से वाशिंगटन के चल रही वार्ताओं के दावों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच किसी समझौते की कोई संभावना नहीं है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान ने स्पष्ट किया है कि युद्धविराम समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने की शर्तें अभी भी कठिन हैं, भले ही

दोनों पक्षों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू हो रही हो। ईरानी प्रतिनिधियों ने खाड़ी में सभी अमेरिकी ठिकानों को बंद करने, युद्धकालीन नुकसान के लिए वित्तीय मुआवजा देने और हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजराइल के अभियान को समाप्त करने की मांग की है।

केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्यः उन्होंने एक ऐसे ढांचे की भी मांग की है जो ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की अनुमति देगा, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन मार्गों में से एक है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने देश के नेतृत्व में अपनी शक्ति मजबूत कर ली है और इन मांगों को आगे बढ़ा रहा है। एक अन्य प्रमुख शर्त में होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने वाली एक नई व्यवस्था शामिल है जो प्रभावी रूप से इसे ईरानी नियंत्रण में ला देगी, साथ ही यह ठोस गारंटी भी कि शत्रुता फिर से शुरू नहीं होगी। ईरान ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी समझौते के हिस्से के रूप में सभी प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया है। चौनल 12 के अनुसार, ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को पांच साल के लिए रोकने और यूरेनियम संवर्धन स्तर को कम करने पर विचार कर सकता है।

वह 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार पर भी चर्चा शुरू कर सकता है और शेष सेंट्रीफ्यूजों के अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा निरीक्षण की अनुमति दे सकता है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि व्यापक समझौते के तहत ईरान हिज्बुल्लाह, हमास और इराकी मिलिशिया सहित क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को वित्तपोषण बंद करने पर भी सहमत हो सकता है। आधिकारिक रुख के दृढ़ रहने के बावजूद, इन स्थितियों को संभावित शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय तीरंदाजों का दमदार प्रदर्शन, दो कांस्य जीते, दो टीमों की फाइनल में एंट्री

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते जबकि पुरूष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था लेकिन इस बार फाइनल खेलकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229 . 226 से हराया।

अब सेमीफाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान से होगा। पुरूष कंपाउंड वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233 . 234 से पराजय मिली।

कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234 . 232 से हराया। रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरुष टीम मलेशिया को 5 . 1 से हराकर फाइनल में पहुंच गई। भारत के देवांग गुप्ता, सुखचौन सिंह और जुयेल सरकार ने एक भी सेट गंवाये बिना जीत दर्ज की। अब उनका सामना कजाखस्तान से होगा। महिला रिकर्व टीम की तिकड़ी रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिद्धि फोर ने मलेशिया को 5 . 1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं।

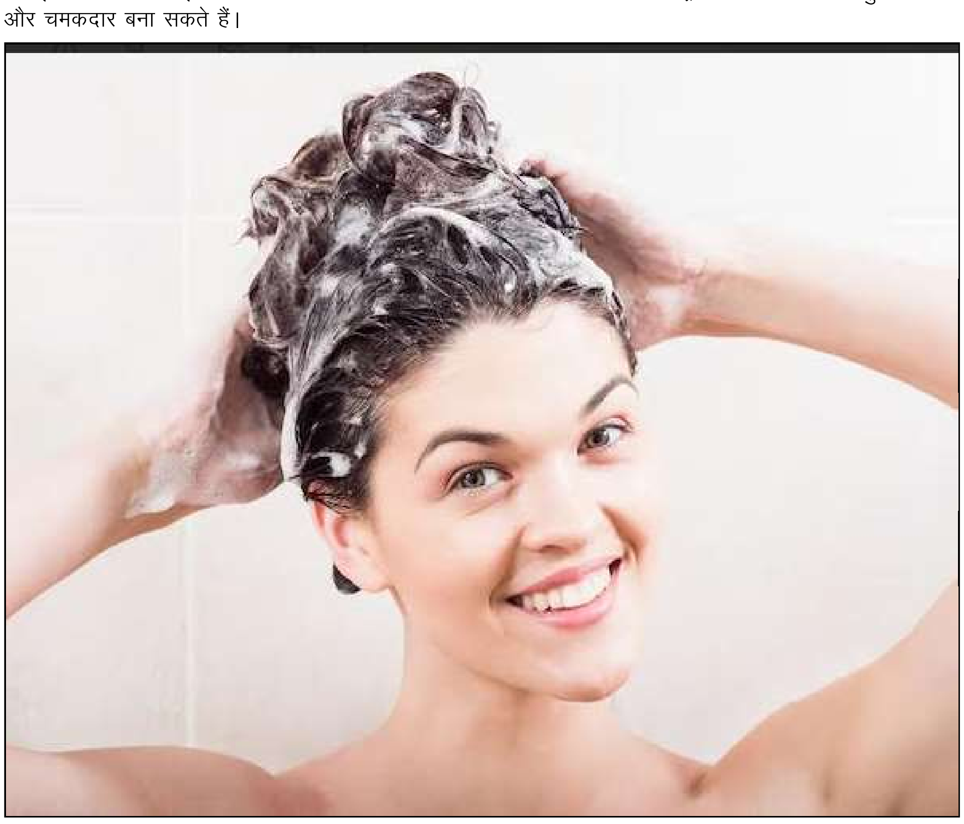

भ्रमरू रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ–सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है। रोजाना बाल धोने से सिर का प्राकृतिक तेल उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जिससे बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। हफ्ते में 2 बार बाल धोना ही पर्याप्त होता है, ताकि वे स्वस्थ रहें और उनकी चमक बनी रहे। ज्यादा धोने से बाल झड़ने की समस्या भी खड़ी हो जाती है।

भ्रमरू बाल धोने के बाद नहीं करना चाहिए कंडीशनर का उपयोग

कुछ लोगों का मानना है कि बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बाल चिकने हो जाएंगे और गंदगी जल्दी चिपकेगी। सच यह है कि सही प्रकार का कंडीशनर बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इसे सही तरीके से इस्तेमाल करने पर बाल चिकने नहीं होते, बल्कि स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। इसलिए बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

भ्रमरू बालों की लंबाई के अनुसार उन्हें धोने चाहिए

एक आम भ्रम यह है कि बालों की लंबाई पर निर्भर करता है कि कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। लंबे बालों वाले लोग अक्सर डरते हैं कि अगर वे ज्यादा धोएंगे तो बाल ज्यादा टूटेंगे। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। सही शैंपू और तरीके का उपयोग करने पर लंबे बाल भी धोएं तो वे स्वस्थ रहते हैं। छोटे बालों वाले लोगों को भी अपनी जरूरत के अनुसार ही बाल धोने चाहिए, ताकि वे साफ–सुथरे रहें।

भ्रमरू बालों की प्रकार पर निर्भर करता है उन्हें कितनी बार धोना चाहिए

कुछ लोग मानते हैं कि बालों की प्रकार पर निर्भर करता है कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। अगर आपके बाल तैलीय प्रकार के हैं तो आपको रोजाना उन्हें धोना पड़ सकता है, ताकि अतिरिक्त तेल हट सके। वहीं अगर आपके बाल सूखे या बेजान हैं तो हफ्ते में एक या 2 बार ही धोना बेहतर होता है, ताकि उनकी प्राकृतिक नमी बनी रहे। हालांकि, रोजाना बाल धोने से वे बहुत कमजोर हो जाते हैं।

भ्रमरू बाल धोने से पहले तेल लगाना होता है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि बाल धोने से पहले तेल लगाना जरूरी होता है, ताकि वे मजबूत बने रहें और टूटें नहीं। हालांकि, अगर आप नियमित रूप से बाल धोते हैं तो ऐसा करना जरूरी नहीं होता। हफ्ते में एक बार ही तेल लगाना काफी होता है, ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और उनमें चमक बनी रहे। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और सुंदर बना सकते हैं।

शहीदों के मूर्तियों को तोड़ने पर विरोध प्रदर्शन

जौनपुर(आरएनएस)। प्रदेश के शाहजहांपुर में नगर निगम परिसर में स्थापित आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी व काकोरी ऐक्शन के अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व रोशन सिंह की प्रतिमाओं को रात के 3 बजे नगर निगम प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया और कूड़ेदान में डाल दिया गया। जो बेहद निन्दनीय व आपराधिक कृत्य है। इस घटना से पूरे प्रदेश भर के आजादी पसंद लोगों में रोष व्याप्त है।.. काकोरी ऐक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति ने बदलापुर के इंदिरा चौक पर उक्त घटना के खिलाफ प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन शुरू होने के पहले सब्जी मंडी से एक जोरदार जुलूस भी निकाला गया। जुलूस में तमाम छात्र नौजवान व महिलाएं शामिल हुए। सभी ने जोरदार नारे लगाते हुए मांग किया कि– शाहजहांपुर नगर निगम परिसर में रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और रोशन सिंह की प्रतिमाओं को पुनः स्थापित किया जाए और उनकी मूर्तियों को तोड़ने वाले दोषियों को उदाहरणमूलक सजा दी जाए ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव प्रमोद कुमार शुक्ल व संचालन जिला उपाध्यक्ष– दिलीप कुमार खरवार ने किया। इन्दुकुमार शुक्ल, मिथिलेश कुमार मौर्य, संतोष कुमार प्रजापति, अंजली सरोज व अपर्णा शुक्ला ने कार्यक्रम को सम्बोधित किए। लालताप्रसाद यादव, मनोज कुमार विश्वकर्मा, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, विजय प्रकाश गुप्ता, लालता प्रसाद मौर्य, शिवभवन सिंह, शैलैन्द्र कुमार, अनुष्का शुक्ला, विनोद मौर्य आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के बिजली नेटवर्क में बड़ी मजबूती! टाटा पावर ने टांडा–गोंडा और गोंडा–बस्ती ट्रांसमिशन लाइनों को किया चालू

भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली कंपनी, टाटा पावर ने बुध ावार को उत्तर प्रदेश में अपनी रणनीतिक पारेषण परियोजनाओं के सफल संचालन की घोषणा की। कंपनी ने राज्य के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 400 किलोवोल्ट टांडादृगोंडा और 400 किलोवोल्ट गोंडादृबस्ती डबल सर्किट पारेषण लाइनों को चालू कर दिया है। कंपनी बयान के अनुसार, इस उपलब्धि के साथ ही साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एसईयूपीपीटीसीएल) परियोजना के तहत सभी एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) पारेषण लाइन एवं उपकेंद्र चालू कर दिए गए हैं। एसईयूपीपीटीसीएल, रिसर्जेंट पावर वेंचर्स पीटीई लिमिटेड का हिस्सा है जो टाटा पावर, आईसीआईसीआई बैंक और वैश्विक निवेशकों के नेतृत्व वाला एक संयुक्त उद्यम है। यह परियोजना बिजली क्षेत्र की दबावग्रस्त परिसंपत्तियों (स्ट्रेस्ड एसेट्स) के समाधान प्रक्रिया के तहत अधिग्रहित की गई थी। टाटा पावर का खंड नवीकरणीय एवं पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन से लेकर पारेषण, वितरण, व्यापार, भंडारण समाधान तथा सौर सेल एवं मॉड्यूल विनिर्माण तक पूरी बिजली मूल्य श्रृंखला में फैला है। कंपनी के पास 7.5 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता है जो उसकी कुल क्षमता का करीब 46 प्रतिशत है।

शिक्षकों को बाधाओं से डरने की जरूरत नहीं: बीएसए

जौनपुर। बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में किचन गार्डन, बैठने के लिए डेस्क बेंच, व डिजिटल कक्षा की व्यवस्था का उद्घाटन किया। विद्यालय को यह सुविधाएं एक्शन एड द्वारा संचालित नई पहल शिक्षा परियोजना के अंतर्गत आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन के सहयोग से प्राप्त हुआ। बीएसए ने कहा कि सिकरारा क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का कांफिडेंट लेबल बहुत ऊँचा है। कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली गैर सरकारी संस्थाओ का जो भी सहयोग बन सकेगा जरूर किया जाएगा। शिक्षक अपने आत्म विश्वास को बरकरार रखे। उन्हें किसी भी बाधाओं से डरने की जरूरत नहीं है। खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहूं उदयभान कुशवाहा व सिकरारा के अजीत सिंह ने संस्था के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि इससे नामांकन व ठहराव में बृद्धि होगी।प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि संस्था ने अपने धरातलीय प्रयास से परिषदीय विद्यालयों को सुदृढ़ करने का कार्य किया है, आगे अन्य और भी विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने की अपील भी की। जिला कोऑर्डिनेटर बीनू सिंह ने एक्शन एड के बारे में बताया।

छत की कुंडी से लटकता मिला लड़की का शव

गोण्डा। पीड़ित भाई गौरव शर्मा पुत्र कुंवर साहब निवासी धौरहरा विशंभरपुर थाना धानेपुर जनपद गोण्डा द्वारा लिखित सूचना दिया गया कि मेरी बहन उमा शर्मा जिसकी उम्र लगभग 20 वर्ष थी जो घर में अपने रूम में सोई थी और सुबह 4रू30 बजे के करीब आवाज दिया तो नहीं उठी। दराज के रास्ते देखा गया तो मकान के छत की कुंडी से फांसी लगा ली। इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिंह ने बताया है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सम्बन्धित विधिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रकृति के सौंदर्य को नये रूप में चित्रित कर रही है बाल चित्रकार तेजल शर्मा

गोण्डा। श्होनवार बिरवान के होत चिकने पातश प्रतिभा की पहचान के लिए अवधी की यह कहावत नगर के इंग्लिश मीडियम स्कूल फातिमा कालेज में कक्षा दो में पढ़ रही छात्रा तेजल शर्मा के व्यक्तित्व पर चरितार्थ हो रही है। नगर के आवास विकास कालोनी में रहने वाले मनीष शर्मा की आठ वर्षीय पुत्री तेजल को कला के क्षेत्र में गहरी अभिरुचि है। बचपन से ही वह घरों पर फुदकने वाली चिड़ियों पशुओं के साथ प्रकृति के सौंदर्य को एक नये स्वरूप में चित्रित करने का प्रयास कर रही है। तेजल को शिक्षा के साथ एक चित्रकार बनने का स्वप्न है।

वृहद रोजगार मेले में 315 अभ्यर्थियों का चयन

गोण्डा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), गोण्डा में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय (संयुक्त विकास आयुक्त) ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक राजेश राम (प्रशिक्षणधशिक्षुता), देवीपाटन मंडल भी उपस्थित रहे। मेले में मदरसन ट्रस्ट एवं संभव फाउंडेशन के माध्यम से नोएडा, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और पुणे की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराई गई। कंपनी की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश मंडल, एचआर विश्वनाथ सहित अन्य अधिकारियों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया।इस रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, डिप्लोमा एवं आईटीआई उत्तीर्ण कुल 1316 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। चयन प्रक्रिया के उपरांत 315 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों में किया गया, जिन्हें मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों ने बधाई दी। कार्यक्रम में नोडल प्रधानाचार्य राम सिंह, राजकीय आईटीआई करनैलगंज के प्रधानाचार्य प्रभु नाथ मिश्र, मनकापुर के प्रधानाचार्य राकेश कुमार शुक्ल, कृष्ण कुमार, अशोक कुमार सहित जनपद के विभिन्न संस्थानों के कर्मचारी एवं अनुदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यदेशक विजय कुमार ने किया।अंत में कार्यदेशक शिवाकांत तिवारी, के.के. यादव, विवेक, उत्तम, नितीश, शिवम आदि ने अतिथियों एवं कंपनी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

शहीद दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि, बांटी मच्छरदानी

जौनपुर। शहीद दिवस के अवसर पर केराकत क्षेत्र के तरियारी गांव में शहीदे आजम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर स्वतंत्रता के वीर सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान आयोजक मण्डल द्वारा जरूरतमंदों के बीच मच्छरदानियां बांटी गई।कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी ध्रुव सिंह व अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा शहीद–ए–आजम भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात आए हुए अतिथियों द्वारा सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के राष्ट्र के प्रति दिए गए बलिदानी गाथा पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं में मिथिलेश गिरि, प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह व अन्य लोग रहे। समापन अतिथियों के हाथों जरूरतमंदों के बीच मच्छरदानी बांट कर किया गया।इस दौरान 205लोगों के बीच मच्छरदानी बांटी गई।अध्यक्षता पूर्व रजिस्टार डॉ गिरजा शंकर द्विवेदी व संचालन संयुक्त रूप से महेंद्र व कमला यादव ने किया।

'एक्वा पाम आयलैंड' पर चला प्रशासन का बुलडोजर

फतेहपुर, बाराबंकी। स्थानीय तहसील के ग्राम सैंदर में अवैध रूप से संचालित 'एक्वा पाम आयलैंड' पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए . पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम के साथ पूरे परिसर को खाली करा दिया। यह कार्रवाई नायब तहसीलदार अंकिता पांडेय की निगरानी और कोतवाल बेचू सिंह यादव की मौजूदगी में की गई। प्रशासन द्वारा पहले ही टापू पर कब्जा जमाए लोगों को दो दिन का समय दिया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई अमल में लाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022–23 में यह तालाब केवल मछली पालन के उद्देश्य से डिकोलिया गांव निवासी शिवराज रावत को पट्टे पर दिया गया था। लेकिन मछली पालन की आड़ में यहां एक अवैध टूरिस्ट स्पॉट विकसित कर लिया गया। पिछले दो वर्षों से यहां होटल, वाटर बोटिंग, पार्क और अन्य मनोरंजन सुविधाएं संचालित की जा रही थीं। बताया जा रहा है कि 'एक्वा पाम आयलैंड' में प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति 100 रुपये तक की वसूली की जा रही थी। बिना किसी वैध अनुमति के यह पूरा व्यवसाय खुलेआम संचालित हो रहा था। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने स्पष्ट किया कि सैंदर का तालाब अब भूमि प्रबंधक समिति को सौंप दिया गया है और इस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या हस्तक्षेप पूरी तरह गैरकानूनी माना जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति यहां अवैध गतिविधि करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जिले में इस तरह के अवैध कब्जों और बिना अनुमति संचालित व्यवसायों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

डीजल एवं पेट्रोल कि नहीं है कोई कमी,पर्याप्त मात्रा में है डीजल एवं पेट्रोल, अफवाहो पर न दे ध्यान–एडीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है।डीएम प्रियंका निरंजन के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने की,जिसमें आनंद कुमार राय (पुलिस क्षेत्राधिकारी सिटी) तथा कुँवर दिनेश प्रताप सिंह (जिला पूर्ति अधिकारी) सहित जनपद के समस्त पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधि एवं पेट्रोल व डीजल पम्प प्रोपराइटर तथा प्रबंधक उपस्थित रहे।बैठक में सेल्स ऑफिसर्स के साथ विस्तृत चर्चा की गई।पेट्रोल व डीजल पम्प प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार ही पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।अपर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। सभी तेल कंपनियों के पास पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है तथा उसकी आपूर्ति भी नियमित रूप से की जा रही है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर अफवाहें फैलाकर आमजन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न की जा रही है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।पुलिस क्षेत्राधिकारी सिटी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह ईंधन की कमी को लेकर भ्रामक सूचना फैलाता हुआ पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी पेट्रोल व डीजल पम्प प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे उपभोक्ताओं को सुचारु एवं पारदर्शी तरीके से ईंधन उपलब्ध कराएं तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता से बचें।जनपद वासियों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। प्रशासन द्वारा स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।बैठक के दौरान एआरओ शिव प्रकाश जनपद के समस्त पूर्ति निरीक्षक तथा पेट्रोल व डीजल पम्प प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों सहित अन्य सभी संबंधित आधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसडीएम-गोन्डा

पेट्रोल पम्प पर लगी भीड़

भरथापुर के विस्थापितों के लिए सेमरहना में मुख्यमंत्री ने किया करोड़ों की योजनाओं का वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के मिहींपुरवा क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत भरथापुर के विस्थापितों के लिए सेमरहना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के कर कमलों से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभार्थियों को वितरण किया गया। कार्यक्रम में कुल 118 हितग्राहियों को घ्21.55 करोड़ से अधिक की धनराशि का अंतरण किया गया। इसके साथ ही 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण तथा आवास के लिए भूमि के पट्टों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके। इस दौरान स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

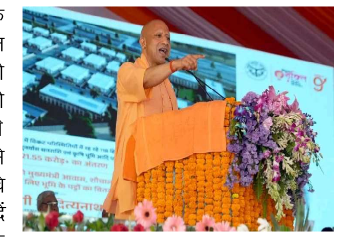

मुख्यमंत्री को भेंट की गई आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी तीर्थ धाम पर विशेष पुस्तिका

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। चौत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री को आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी जी तीर्थ धाम के धार्मिक,आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर आधारित एक विशेष पुस्तिका भेंट की गई। इस पुस्तिका में तीर्थ धाम की प्राचीनता,गौरवशाली परंपरा तथा जनआस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया है। पुस्तिका में मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,आस्था के केंद्र के रूप में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा श्रद्धालुओं के लिए इसकी आध्यात्मिक महत्ता का विस्तृत वर्णन शामिल है। इसके माध्यम से माँ पाटेश्वरी धाम की सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय पहचान को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। इस अवसर पर कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग के मंत्री सूर्य प्रताप शाही,देवीपाटन मंदिर के महंत योगी मिथिलेश नाथ,विधायक सदर पलटूराम,विधायक कैलाश नाथ शुक्ला,विधायक राम प्रताप वर्मा,जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा,आरती तिवारी,दद्दन मिश्रा,नगर पालिका बलरामपुर के चेयरमैन धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू',पूर्व विधायक शैलेश सिंह 'शैलू',आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील,डीआईजी देवीपाटन मंडल,डीएम विपिन कुमार जैन,पुलिस अधीक्षक विकास कुमार तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

163 जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक साथ विवाह हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत हकीकुल्ला चौधरी महाविद्यालय गौरा के परिसर में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सफलतापूर्वक,सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।सामुहिक विवाह कार्यक्रम में जनपद के विकासखण्ड व नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों को मिलाकर कुल 193 जोड़े पंजी. त थे जिसमें से 163 जोड़ों का विवाह पूरी रीतिरिवाजों के साथ सम्पन्न कराया गया।इसमें 02 जोड़ें का इस्लामिक पद्धति से मौलवी साहिबे आलम द्वारा निकाह कराया गया।सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विधायक गौरा प्रभात वर्मा,डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन, उपजिलाधिकारी मनकापुर, ब्लॉक प्रमुख बभनजोत, छपिया,जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, ने विवाह मण्डप पर बैठे जोडों को आर्शीवाद देते हुए वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में किसी भी गरीब की बेटी के हाथ पीले होने से नहीं बचेंगे वो चाहे किसी जाति व धर्म की हों।सामूहिक विवाह हेतु हमारी सरकार रूपये 60000/– प्रति जोडे के दम्पतियों के खाते में दिया जाता है।शेष उपहार सामग्री दी जाती है जिसमें चांदी की पायल बिछिया, स्टील का डिनर सेट, पांच लीटर का प्रेशर कुकर, कन्या हेतु दो जोड़े कपड़े, वर हेतु एक जोड़ा कपड़ा,दीवाल घड़ी, सौन्दर्य प्रशासन किट आदि गृहस्थी का सम्मिलित होता है।कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख बभनजोत, छपिया,खण्ड विकास अधिकारी बभनजोत,छपिया सहित सभी संबंधित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चलो वापस जाओ..होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया को कड़ा संदेश, कराची जा रहे जहाज को ईरान ने लौटाया

पश्चिम एशिया में तीव्र युद्ध के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, ईरान ने बुधवार को कराची जा रहे एक जहाज को महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति न मिलने के कारण वापस भेज दिया। काबुल स्थित ईरानी दूतावास ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कंटेनर जहाज श्सेलेनश को आईआरजीसी नौसेना ने कानूनी प्रोटोकॉल का पालन न करने और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति न मिलने के कारण वापस भेज दिया। बयान में आगे कहा गया, कि इस जलमार्ग से किसी भी जहाज के गुजरने के लिए ईरान के समुद्री प्राधिकरण के साथ पूर्ण समन्वय आवश्यक है। गौरतलब है कि होर्मुज जलडमरूमध्य जो वैश्विक तेल और गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा है और एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है – पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण लगभग ठप्प हो गया है। इस बीच, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) नौसेना ने भी पुष्टि की कि उसने हस्तक्षेप किया क्योंकि जहाज श्कानूनी प्रोटोकॉलश का पालन करने में विफल रहा था। रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसिरी ने एक बयान में कहा कि जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति न लेने के कारण जहाज को वापस भेज दिया गया था, और अब जहाजों को ईरानी समुद्री अधिकारियों के साथ आवागमन के लिए समन्वय करना होगा। इक्वासिस के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जहाज **SELEN** सेंट किट्स और नेविस में पंजीकृत एक छोटा फीडर कंटेनर जहाज है, जिसका प्रबंधन दुबई स्थित एक्ससीड ओशनिक ट्रेडिंग एलएलसी द्वारा किया जाता है। इस बीच, ईरानी सांसद अलाएद्दीन बोरौजेर्दी ने सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि यह कदम दशकों बाद जलडमरूमध्य में एक नए संप्रभु शासन को दर्शाता है। बोरौजेर्दी ने कहा कि जलडमरूमध्य पार करने वाले कुछ जहाजों से 20 लाख डॉलर पारगमन शुल्क वसूलना ईरान की ताकत को दर्शाता है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए दी गई समय सीमा को बढ़ा दिया, और कहा कि अमेरिका बिजली संयंत्र पर हमले को पांच और दिनों के लिए टाल देगा। ट्रंप ने अपनी निर्धारित समय सीमा से कुछ घंटे पहले ही अपनी सोशल मीडिया साइट श्ट्रुथ सोशलश पर यह घोषणा कर दी।

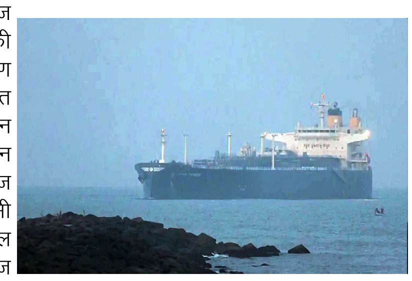

वार्ता के लिए कुशनर-विटकॉफ को भेजने वाले थे ट्रंप, लेकिन ईरान ने मोदी के साथ खड़े इस शख्स का जिक्र कर किया साफ, बात करेंगे तो सिर्फ इन्हीं से

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान–इजरायल जंग पर बार–बार सीजफायर के संकेत दे रहे हैं। अब ट्रंप ने एक ताजा बयान में कहा कि ईरान ने उन्हें एक कीमती तोहफा दिया है। ईरान से बातचीत के लिए क्या अमेरिका से जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ को ईरान भेजा जाएगा? लेकिन ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका को यह बता दिया है कि चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास तेज होने के मद्देनजर वह डोनाल्ड ट्रम्प या प्रशासन के अन्य सदस्यों के बजाय अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के साथ बातचीत करना पसंद करेगा। सीएनएन ने इस मामले से परिचित क्षेत्रीय सूत्रों के हवाले से बताया कि यह संदेश गुप्त संचार के माध्यम से वाशिंगटन तक पहुंचाया गया था, जिसमें ईरानी प्रतिनिधियों ने संकेत दिया था कि अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ या जेरेड कुशनर के नेतृत्व में वार्ता के सफल होने की संभावना नहीं है, क्योंकि शत्रुता शुरू होने से पहले की वार्ताओं के विफल होने के बाद विश्वास की गहरी कमी हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि ईरान का मानना घ्है कि प्रशासन के कुछ अन्य लोगों की तुलना में वैंस संघर्ष को कूटनीतिक रूप से समाप्त करने की दिशा में अधिक झुकाव रख सकते हैं। चर्चाओं से परिचित एक सूत्र ने सीएनएन को बताया, ष्यह ध् ारणा है कि वैंस संघर्ष को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित होंगे। हालांकि, उन्हीं सूत्रों ने चेतावनी दी कि सीधी बातचीत में उतरने से वैंस के लिए जोखिम भी हो सकते हैं, क्योंकि युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचना जटिल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील साबित हो सकता है। तेहरान की पसंद के बावजूद, ईरानी अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि वार्ता में वाशिंगटन का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, इस पर अंतिम निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिकी वार्ता टीम का निर्धारण केवल ट्रम्प ही करेंगे। उनके अनुसार, व्यापक राजनयिक प्रयासों में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जिनमें वैंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विटकॉफ और कुशनर शामिल हैं। व्हाइट हाउस के एक अन्य अधिकारी ने ईरान की पसंद से संबंधित खबरों को क्षेत्रीय ताकतों द्वारा अमेरिकी नीति को प्रभावित करने का प्रयास बताते हुए खारिज कर दिया और इसे ष्राष्ट्रपति को कमजोर करने के उद्देश्य से चलाया गया एक समन्वित विदेशी दुष्प्रचार अभियानष करार दिया। पाकिस्तान में वार्ता की संभावना: हाल के दिनों में संभावित युद्धविराम को लेकर राजनयिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, इस सप्ताह के अंत में इस्लामाबाद में अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है, और पाकिस्तान ने वार्ता की मेजबानी का प्रस्ताव दिया है। फिर भी, मध्यस्थता प्रयासों में शामिल अधिकारी इस बात को लेकर संशय में हैं कि दोनों पक्षों के बीच जारी शत्रुता और गहरे अविश्वास को देखते हुए ऐसी बैठक वास्तव में हो पाएगी या नहीं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र और ओमान सहित कई देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं और युद्धविराम और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयास में वाशिंगटन और तेहरान के बीच संदेश पहुंचा रहे हैं।

मां काली मंदिर में चौत्र नवरात्रि के सप्तमी तिथि माता कालरात्रि के दर्शन को उमड़ी भक्तो की भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी नगर स्थित शक्तिपीठ मां काली मंदिर में सातवें दिन बुधवार को कालरात्रि स्वरूप की पूजा करने की अलग ही विधि मानी जाती है। मां कालरात्रि का स्वरूप जितना भयानक और डरावना होता है उतना ही मा भक्तों को मनचाहा शुभ फल उन्हें देती हैं इनका नाम सप्तमी मां कालरात्रि शुंभकारी भी कहा जाता है। इनकी पूजा आराधना पूरे मनोनयन से करने के उपरांत कभी भी दुष्ट आसुरी नकारात्मक शक्ति का प्रकोप मानव जीवन पर नहीं पड़ता है वही जातक की सोच को निर्मल और विचारों को उच्च स्वरूप बनती है। बुधवार की अल सुबह से ही माँ के सभी मंदिरों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में उनके दर्शन के लिए उमड़ पड़ती है, मुख्य गेट के चौखट पर से लेकर माता रानी दरबार के बाहरी दरवाजे पर मां के भक्तो ले गए प्रसाद को मंदिर के पुरोहित से चढाकर दीप धूप जलाकर मां शीतला माता के स्थल पर नारियल चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना किया,उधर मंदिर परिसर की सुबह शाम देख–रेख कर रहे हैं मुख्य पंडितों द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाकर भक्तो को आशीर्वाद दिया। सुरक्षा के .ष्टिगत महिला व पुरुष पुलिसकर्मी तैनात रहे। वही संध्याकालीन बेला में मां काली की काव्य पूजा भक्तगण करते हैं जिस क्रम में दीवार बाबा प्रांगण स्थित मां काली की भव्य प्रतिमा का मुखौटा खोला जाता है और रात्रि में भूरसे की बलि देकर माता को प्रसन्न करने की प्रथा हैं, अष्टमी के दिन माता रानी के भक्तों के द्वारा व्रत रहा जाता है और नवमी के दिन प्रभु श्री राम की झांकी मां काली प्रतिमा के साथ बड़े–बड़े हनुमान झंडा व लाठी डंडे के साथ अस्त्र–शस्त्र लेकर लोग अखाड़े स्थल पहुंचकर शौर्य का प्रदर्शन दिखाते हैं।

दोषी बाल अपचारी विष्णुकांत गुप्ता को उम्रकैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व हुए सौतेली मां रागिनी देवी हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / बाल न्यायालय सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी बाल अपचारी विष्णुकांत गुप्ता को उम्रकैद व 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक कोन थाना क्षेत्र के गिधिया टोला अजनिया गांव निवासी अनिरुद्ध गुप्ता पुत्र स्वर्गीय मानिक चंद ने कोन थाने में 19 सितंबर 2019 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह आज दिन में कचनरवा बाजार गया था। उसने अपनी बेटी रागिनी देवी 30 वर्ष की शादी करीब 6 साल पूर्व कचनरवा बाजार निवासी शिव नरायन गुप्ता के साथ किया था। उसे 4 वर्ष का बेटा भी है। शिव नरायन गुप्ता की एक पत्नी पहले से थी जिसे लेकर वे कोर्ट गए थे। घर पर रागिनी अपने बेटे के साथ अकेली थी। शिव नरायन गुप्ता के पहली पत्नी के बेटे विष्णुकांत गुप्ता ने अकेला पाकर उसकी बेटी रागिनी की चाकू से मारकर हत्या कर दी। शोरगुल की आवाज सुनकर वह गया तो देखा कि रागिनी मृत पड़ी थी और विष्णुकांत गुप्ता हत्या कर चाकू लेकर भाग रहा था। इस तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी बाल अपचारी विष्णुकांत गुप्ता को उम्रकैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

पीड़ित को वापस कराए 11,700 / – रुपये

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के दिशा–निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के कुशल नेतृत्व में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आवेदक दिनेश कुमार पुत्र सत्यनारायण निवासी ग्राम करचा टोला, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाहन कम दाम में बेचने का झांसा देकर कुल ध्44,975 / – की साइबर ठगी की गई थी। उक्त संबंध में पीड़ित द्वारा छब्त्च पोर्टल पर शिकायत पंजी.त कराई गई थी।प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित कर धोखाधड़ी की गई धनराशि को होल्ड कराया गया। तत्पश्चात न्यायालय के आदेशानुसार विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए होल्ड धनराशि में से ध11,700 / – रुपये सफलतापूर्वक पीड़ित को वापस कराए गए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0–49 / 2026 धारा 69 बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त पारस गोंड पुत्र स्व0 गिरधारी गोंड निवासी पनारी टोला फफराकुंड थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को गिरतार कर न्यायालय रवाना किया गया।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई / जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता,

संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सु.ढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नगवां में ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बेसिक शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान के तत्वाधान में ब्लॉक नगवा के ग्रामप्रधानों एवं स्थानीय प्राधिकारियों के साथ प्रधानाध्यापकों का ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र नगवां पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख आलोक कुमार सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश सिंह पटेल, खंड विकास अधिकारी, अनिल सिंह रहे। पूरे विकास खंड के ग्राम प्रधान / एस एम सी अध्यक्ष, एवं ग्राम प्रधान के साथ सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। खंड विकास अधिकारी ने नगवां के परिषदीय शिक्षकों को शिक्षा के अंतिम पायदान पर स्थित बच्चों

तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया। एआरपी अरविंद सिंह ने निपुण भारत मिशन पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ शिक्षक संजय जायसवाल ने 'कायाकल्प मिशन' के उद्देश्यों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया कि नगवां के कुल 135 विद्यालयों में से अधिकतर विद्यालयों में कायाकल्प मिशन द्यकार्यक्रम के तहत 19 बिंदु पैरामीटर में आने वाले शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल, बालक एवं बालिका शौचालय, दिव्यांग शौचालय, मल्टी पल हैंड वाशिंग, डेस्क बेंच एवम् कक्षाओं में टायलीकरण इत्यादि पूर्ण किए जा चुके हैं।ब्लॉक प्रमुख के द्वारा विभाग से कदम से कदम मिलकर चलने और सदैव मिलकर काम करने वादा कियाद्य साथ ही राष्ट्रीय आविष्कार अभियान परीक्षा में में उत.ष्ट स्थान पाने वाले कंपोजिट विद्यालय चकया के बच्चों चंद्रमा , लवकुश, एवं श्यामसुंदर को अतिथियों के द्वारा पुरस्कार एवम् प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया गया । पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश सिंह पटेल द्वारा परिषदीय विद्यालयों के संपर्क मार्गों पर किए गए कार्यों का उल्लेख किया कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक, अभिभावक गण, वरिष्ठ शिक्षक, चिंतामणि सिंह, श्रीकांत दुबे, उमाकांत, अरुणेश चंद्र, प्रवीण मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, एवं शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं

सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य.पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल / लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्च साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

योगी सरकार में शिक्षा और चिकित्सा का हब बन रहा गोरखपुर'

'गोरखपुर।' मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ के नौ वर्ष का कार्यकाल गोरखपुर में शिक्षा और चिकित्सा क्सेक्टर के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध हुआ है। सीएम योगी के विजनरी प्रयासों से गोरखपुर, समूचे पूर्वांचल और बिहार–नेपाल तक के सीमाई इलाके के लिए शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र का हब बनकर उभर रहा है।

आजादी के बाद से लेकर 2017 तक गोरखपुर दो विश्वविद्यालयों (दीनदयाल उपाध याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) वाला जिला था। योगी सरकार में इसमें दो और नए विश्वविद्यालयों की क्रियाशीलता की उपलब्धि दर्ज हुई है। नए विश्वविद्यालयों में से एक महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री के एक महत्वपूर्ण ड्रीम प्रोजेक्ट का साकार रूप है। यह राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय भी है। जबकि दूसरा, निजी क्षेत्र का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी मुख्यमंत्री के संकल्प का प्रतिफल है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना गोरक्षपीठ के शैक्षिक प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत की गई है। योगी आदित्यनाथ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं। आने वाले दिनों में गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और विश्वविद्यालय का नाम जुड़ जाएगा। गोरखपुर के पांचवें विश्वविद्यालय के रूप में प्रदेश के पहले वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय के स्थापना की सीएम योगी की घोषणा के बाद प्रक्रियात्मक तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

योगी सरकार के नौ साल में गोरखपुर में शैक्षिक क्षेत्र का विस्तारित होता आयाम और बढ़ती ख्याति ही है कि जहां दशकों तक देश के महामहिम राष्ट्रपति का आना कल्पना की बात लगती थी वहीं विगत सात वर्ष में दो राष्ट्रपति का तीन बार आगमन सिर्फ शैक्षिक–अकादमिक कार्यक्रमों में हुआ। दो राष्ट्रपति के तीन बार अकादमिक केंद्रित गोरखपुर आगमन पर उनकी सहभागिता कुल छह ऐसे कार्यक्रमों में रही जो विशुद्ध शिक्षा क्षेत्र से संबंधित रहे।

आज का गोरखपुर शिक्षा के सभी वैषयिक रूपों के लिए विशिष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। यहां परंपरागत पाठ्यक्रमों के साथ ही व्यावसायिक, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा, आधुनिक चिकित्सा शिक्षा एवं इससे संबद्ध अन्य पाठ्यक्रम (नर्सिंग, फार्मेसी आदि), आयुष चिकित्सा शिक्षा के महत्वपूर्ण और ख्यातिलब्ध संस्थान तो हैं ही, सैन्य प्रशिक्षणयुक्त शिक्षा के लिए सैनिक स्कूल का भी उपहार मिल चुका है। श्रमिक पाल्यों के लिए अटल आवासीय विद्यालय की सुविधा मिल रही है। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों का तेजी से कायाकल्प हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में गोरखपुर के बढ़ते महत्व को इस तरह से भी समझा जा सकता है कि इसके आसपास के जिलों के अलावा बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग बच्चों की पढ़ाई के लिए ही गोरखपुर आकर बस रहे हैं। सरकार जहां हर प्रकार की शिक्षा के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है तो वहीं निजी क्षेत्र की भागीदारी मेट्रो शहरों जैसी दिखने लगी है। देश और प्रदेश में खुद को ब्रांड समझने वाले कई विद्यालयों की शाखाएं यहां खुल चुकी हैं।

शिक्षा के साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में भी विगत नौ वर्षों में गोरखपुर ने तीव्र प्रगति की है। दशकों तक जिस गोरखपुर को बीमारू मान लिया गया था, वहां वर्ष 2017 से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आया व्यापक परिवर्तन कभी कभी अकल्पनीय सा लगता है। कभी यहां चिकित्सा का एकमात्र बड़ा केंद्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही था, उसकी दशा भी लचर थी। पर, सीएम योगी के प्रयास से न केवल बीआरडी मेडिकल कॉलेज अब सुपर स्पेशयलिटी सेवाओं का केंद्र बन गया बल्कि योगी के प्रयासों से गोरखपुर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की भी सौगात मिल चुकी है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में इस अंचल में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा हॉस्पिटल भी तेजी से आकार ले रहा है। यहां जटिल कैंसर की सर्जरी के लिए प्रतिमाह आयोजित कैम्प में अन्य राज्यों के मरीज भी पहुंच रहे हैं। मॉडर्न मेडिसिन के साथ ही आयुष पद्धति से इलाज के लिए गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय में भी इलाज की सुविधा का लाभ समूचा पूर्वी उत्तर उठा रहा है। आज के गोरखपुर में सरकारी चिकित्सा तंत्र सुदृढ़ हुआ है तो निजी क्षेत्र के भी कई प्रतिष्ठित हॉस्पिटलों की श्रृंखला खड़ी हो रही है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव का कहना है कि उत्कृष्ट शिक्षा और चिकित्सा किसी भी विकसित समाज के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। यह दोनों ही सेक्टर योगी आदित्यनाथ के लिए राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि निजी संकल्प से जुड़े हुए हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के जरिये इन दोनों सेक्टर को नया आयाम दिया तो मुख्यमंत्री के रूप में इसे लगातार ऊंचाई पर पहुंचा रहे हैं।

रेणुकूट रेलवे स्टेशन पर तेज रफ्तार कार का कहर, एक की मौत, एक घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेणुकूट रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रतार कार अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मारते हुए एक झोपड़ी में जा घुसी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रात करीब 11रू30 बजे की है। बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन मोड़ पर बस का इंतजार कर रहे सत्येंद्र (48) पुत्र रामबली राम, निवासी एनसीएल कालोनी बीना को तेज रतार मारुति कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे बनी एक झोपड़ी में जा घुसी, जहां राजमणि राम (60) पुत्र मगन राम, निवासी झारोखुर्द सो रहा था । इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने दोनों घायलों को हिंडाल्को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान सत्येंद्र की मौत हो गई, जबकि राजमणि राम की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। पिपरी थाना के इंस्पेक्टर क्राइम हरेंद्र यादव ने बताया कि मृतक सत्येंद्र अपनी पत्नी को ट्रेन पकड़ाने रेणुकूट आए थे और वापस लौटने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार कार चालक नशे की हालत में था और रेलवे स्टेशन पर किसी से उसका विवाद भी हुआ था। इसके बाद वह अपनी कार लेकर तेज रतार में मौके से भागने लगा, जिससे यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है, जबकि आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

01 किग्रा 10 ग्राम अवैध गांजा के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 24.03.2026 को समय 20:55 बजे करगरा मोड़, बहदग्राम रेडिया थाना चोपन में पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त अरुन कुमार पुत्र कल्लू निवासी विकास नगर वार्ड नं०–11 थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र (उम्र करीब 24 वर्ष) को गिरतार किया गया ।अभियुक्त के कब्जे से एक सफेद झोले में 01 किग्रा 10 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इस संबंध में थाना चोपन पर मु0अ0सं0 109 / 26 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट पंजी.त कर अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सैनिक बंधु की बैठक 27 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन नै सेना आशुतोष चौधरी ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिकों / दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों को जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन 27 मार्च 2026 दिन शुक्रवार समय 11:30 बजे विकास भवन सभागार में आहूत की गयी है। जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिक / दिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रित, उक्त तिथि, समय एवं स्थल पर सैनिक बन्धु की बैठक में भाग लेने का कष्ट करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

धुरंधर 2 का दुनियाभर में भौकाल, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 800 करोड़ पार, तोड़े 8 फिल्मों के रिकॉर्ड, 5 दिन में इंडिया नेट कलेक्शन 500 करोड़ के पार

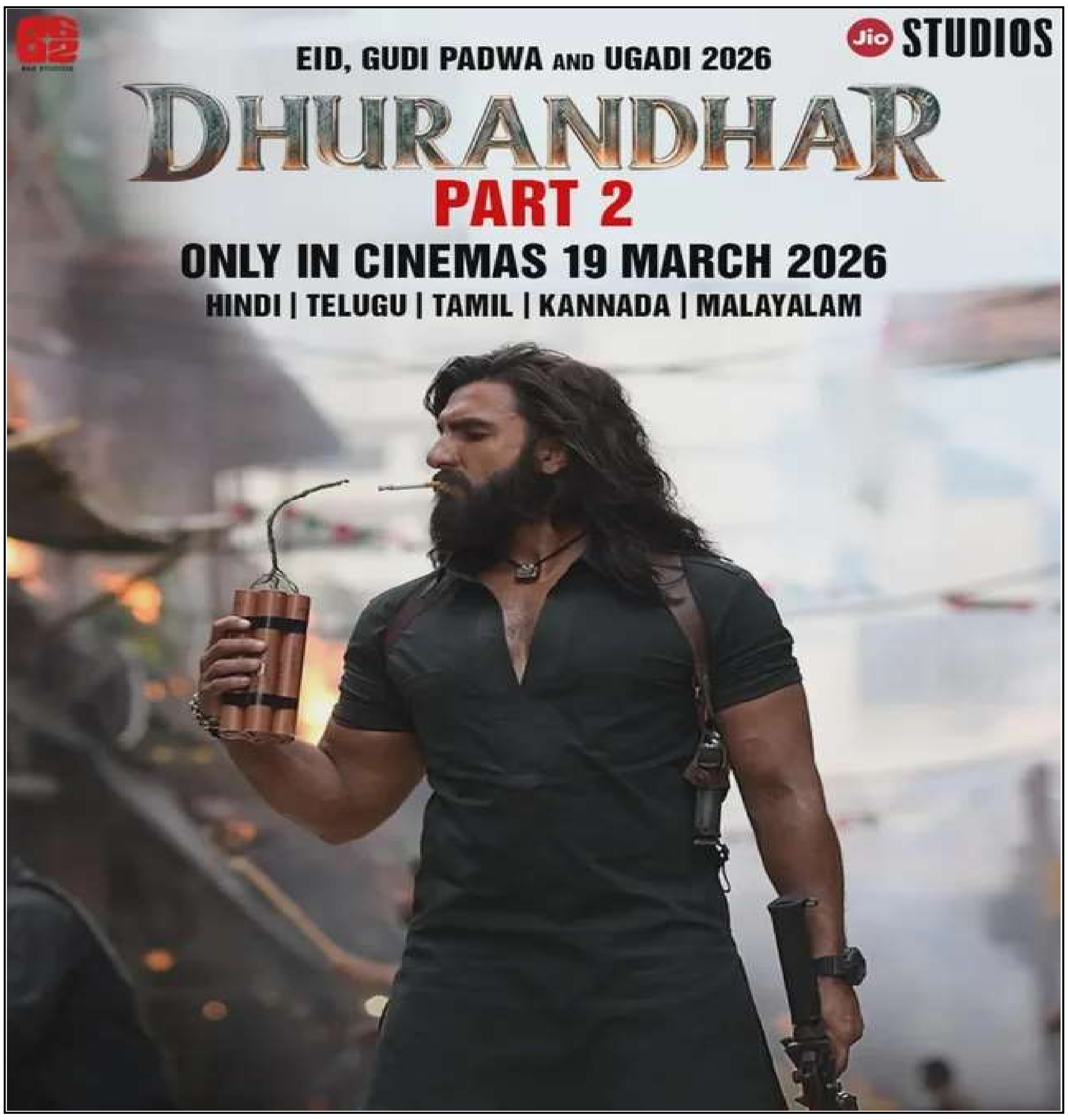

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2, बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों से कहीं ज्यादा शानदार परफॉर्म कर रही है. रणवीर सिंह स्टारर ये फिल्म देश और दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है. धमाकेदार ओपनिंग वीकेंड के बाद इसने पहले मंडे टेस्ट में भी टॉप किया है और जबरदस्त कलेक्शन के साथ कई फिल्मों का रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं धुरंधर 2 ने 5वें दिन वर्ल्डवाइड कितनी कमाई कर डाली है.

रणवीर सिंह की स्पाई एक्शन थ्रिलर धुरंधर 2 की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोल रही है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि शानदार ओपनिंग वीकेंड के बाद इसे देखने के लिए वीकडेज में भी भारी संख्या में दर्शक थिएटर पहुंच रहे हैं और इसी के साथ इसके कलेक्शन रजिस्टर के आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं. रिलीज के महज 5 दिनों में इस फिल्म ने इतनी ज्यादा कमाई कर डाली है कि ये अपने प्रीक्वल के रिकॉर्ड को तोड़ने से बस कुछ ही दूर रह गई है.

धुरंधर 2 की विदेशों में कमाई की बात करें तो इसने 210.00 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 829.76 करोड़ तक पहुंच गया है. इसके साथ ही, फिल्म ने शुरुआती बॉक्स ऑफिस रफ्घ्तार के मामले में कई बड़ी हिंदी और पैन–इंडिया रिलीज फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है – जिनमें पठान, जवान, केजीएफ 2 और आरआरआर शामिल हैं। और इस तरह यह हाल के सालों में सबसे तेजी से कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. इन सबके बीच फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक धुरंधर 2 ने 5वें दिन भारत में 20,382 शो में कुल 65.00 करोड़ रुपये नेट कमाए हैं. ये पिछले दिन के नेट कलेक्शन 114.85 करोड़ से 43.4 प्रतिशत कम है. इसके साथ ही, इसका कुल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 619.76 करोड़ हो गया है, जबकि अब तक का कुल इंडिया नेट कलेक्शन 519.12 करोड़ रुपये है.

धुरंधर 2 हर दिन इतिहास लिख रही है. रिलीज के महज 5 दिनो में विदेशों में 800 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली ये बॉलीवुड की सबसे तेज फिल्म बन गई है. अब इसका टारगेट 1000 करोड़ के क्लब में एंट्री करना है. फिल्म जिस रफ्तार से बॉक्स ऑफिस पर दौड़ रही है उसे देखते हुए दूसरे वीकेंड से पहले ही फिल्म ये आंकड़ा छू लेगी. इसी के साथ धुरंधर 2 अपने प्रीक्वल के वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच जाएगी. फिलहाल फिल्म की धुआंधार रफ्तार देखते हुए लग रहा है कि ये दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आमिर खान दी दंगल को भी धूल चटा देगी. धुरंधररू द रिवेंज रिकॉर्ड तोड़ने की होड़ में है. पिछले 48 घंटों में, इसने दुनिया भर में 8 बॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में संजू (541.76 करोड़), पद्मावत (560 करोड़), टाइगर जिंदा है (562.12 करोड़), सैयारा (570.67 करोड़), केजीएफ चौप्टर 2 हिंदी (583.85 करोड़), सुल्तान (589 करोड़), धूम 3 (601 करोड़), और गदर 2 (685.19 करोड़) शामिल हैं. अब यह दुनिया भर में अब तक की 13वीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है! यह स्पाई एक्शन थ्रिलर अब टॉप 10 में अपनी ऑफिशियल एंट्री करने के लिए स्त्री 2 (884.45 करोड़) को चुनौती दे रही है.

चित्रालय क्रिएशन्स की ओर से तीसरी प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा, हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी

अर्जुन आर्ट्स के बैनर तले, चित्रालय क्रिएशन्स बैनर के अंतर्गत प्रोडक्शन नंबर 3 का निर्माण हो रहा है, जिसकी निर्माता श्रीलक्ष्मी एम हैं। फिल्म का निर्देशन सलीम मलिक करेंगे, जिन्हें

मैक के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने इससे पहले दर्जा का निर्देशन किया था। अभिनेत्री हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं ने हाल ही में इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की है।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म इमोशन–कॉमेडी एंटरटेनमेंट शैली में एक अलग अवधारणा पर आधारित होगी और इसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। टीम ने कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में भी जानकारी दी है

दर्जा से दर्शकों को प्रभावित करने वाले निर्देशक सलीम मलिक इस प्रोजेक्ट की कहानी, पटकथा और निर्देशन संभालेंगे। अनूठे विषयों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए जाने जाने वाले सलीम मलिक अब एक और नई अवधारणा के साथ आ रहे हैं।

फिल्म के संवाद और गीत भाष्यश्री ने लिखे हैं, जबकि केवीआर ने अतिरिक्त पटकथा लिखी है। एम. समीर ने संगीत दिया है और विष्णु पणिक्कर छायांकन कर रहे हैं। अभिनेत्री हेबाह पटेल नायिका के रूप में नजर आएंगी। फिल्म निर्माता जल्द ही बाकी जानकारी की घोषणा करेंगे।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज हो रही सितारे जमीन पर, 3 अप्रैल से सोनी लिव पर होगी स्ट्रीम

अभिनेता आमिर खान की फिल्म शसितारे जमीन परस्र 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई

थी। अब आमिर खान की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज हो रही है शसितारे जमीन परस्र। सोनी लिव ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3 अप्रैल 2026 से उनके प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगी। यह तारीख गुड फ्राइडे के लंबे वीकेंड के साथ आ रही है। आमिर खान की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस बेहद खुश हैं कि अब वह आमिर की फिल्म को ओटीटी पर घर बैठे देख सकेंगे। पहले आमिर खान ने कहा था कि फिल्म सितारे जमीन पर ओटीटी पर बिल्कुल नहीं आएगी। उन्होंने कहा था कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इसे सीधे यूट्यूब पर 100 रुपये के किराए पर देखा जा सकेगा। लेकिन अब यह फैसला बदल गया है क्योंकि अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। शसितारे जमीन परस्र में आमिर खान एक बास्केटबॉल कोच का रोल निभाते नजर आए। उन्हें शराब पीकर गाड़ी चलाने के जुर्म में पकड़ा जाता है और अदालत उन्हें न्यूरोडाइवर्जेंट बच्चों को बास्केटबॉल सिखाने का काम सौंपती है। फिल्म को रिलीज के समय अच्छी समीक्षाएं मिलीं। अब शसितारे जमीन परस्र को दर्शक 3 अप्रैल 2026 को घर बैठे ओटीटी पर देख सकेंगे।

टोविनो थॉमस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी, 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में होगी रिलीज

डिजो जोस एंटनी द्वारा निर्देशित और टोविनो थॉमस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। यह पोस्टर फिल्म की नायिका कयादु लोहार की एकल प्रस्तुति है। पोस्टर में फिल्म की रिलीज तिथि भी बताई गई है। मलयालम समेत पांच भाषाओं में पोस्टर जारी किए गए हैं। पल्लीचट्टाम्बी 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पल्लीचट्टाम्बी में मुख्य अभिनेत्री के रूप में कायदु लोहार की घोषणा का वीडियो पहले ही काफी चर्चा में रहा था। तमिल की सुपरहिट फिल्म ड्रैगन में नायिका की भूमिका निभाने के बाद कायदु दक्षिण भारतीय सिनेमा के दर्शकों की चहेती बन गईं।

पल्लीचट्टाम्बी में टोविनो थॉमस एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण नौफल और बृजेश ने वर्ल्डवाइड फिल्म्स के बैनर तले किया है, जबकि चाणुक्य,

चौतन्य और चरण ने सी क्यूब ब्रदर्स एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म मलयालम समेत पांच भाषाओं में रिलीज हो रही है। पटकथा एस. सुरेश बाबू ने लिखी है। पल्लीचट्टाम्बी फिल्म में मुख्य महिला किरदार में कायादु लोहार के अलावा विजय राघवन, सुधीर करमना, बाबूराज, विनोद केदामंगलम, प्रशांत एलेक्स और कई अन्य प्रमुख कलाकार भी हैं। फिल्म की कहानी 1950–60 के दशक में घटित होती है। छायांकन तिजो टॉमी ने किया है, जबकि संगीत मोलिवुड के मशहूर संगीतकार जेक्स बेजॉय ने तैयार किया है। मेघा श्याम और थानसीर सह–निर्माता हैं। वेशभूषा मंजुषा राधाकृष्णन ने डिजाइन की है और मेकअप रशीद अहमद ने किया है। लाइन प्रोड्यूसर एलेक्स ई. कुरियन हैं, वित्त नियंत्रक अनिल अंबल्लूर और प्रोडक्शन नियंत्रक राजेश मेनन हैं।

रेनिथ राज और किरण राफेल मुख्य सह–निर्देशक हैं। साउंड डिजाइन सिंक सिनेमा द्वारा किया गया है और कला निर्देशन राजेश मेनन ने संभाला है। कास्टिंग बिनॉय नंबाला द्वारा की गई है। डिजिटल मार्केटिंग का प्रबंधन अखिल विष्णु वीएस द्वारा और जनसंपर्क अक्षय प्रकाश द्वारा किया गया है। स्टिल फोटोग्राफी ऋषलाल उन्नीकृष्णन द्वारा की गई है और पोस्टर डिजाइन येलो टूथ्स द्वारा तैयार किया गया है।